मैसर्स उदयपुर सीमेन्ट वर्क्स लिमिटेड़, पर्यावरण संबंधी जनसुनवाई दिनांक 05.03.2025 प्रातः 11:00 AM बजे, भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र, ग्राम–गुपड़ी, तहसील–वल्लभनगर, जिला–उदयपुर

यह जनसुनवाई भारत सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा जारी पर्यावरणीय प्रभाव आकलन अधिसूचना (EIA Notification)दिनांक 14.09.2006 एवं संशोधित अधिसूचना दिनांक 01.12.2009 के प्रावधानों के अनुरूप राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल, उदयपुर के तत्वाधान में आयोजित की जा रही है। उक्त जनसुनवाई के लिए नियमानुसार 30 दिवस पूर्व आमसूचना राष्ट्रीय समाचार पत्र द टाइम्स ऑफ इण्ड़िया में दिनांक 01.02.2025 एवं दैनिक भास्कर में दिनांक 01.02.2025 को प्रकाशित करवा दी गई है।

यह जनसुनवाई "**मैसर्स उदयपुर सीमेन्ट वर्क्स लिमिटेड**" द्वारा प्रस्तावित Limestone block, Mine over an area of 94.62 Hect. with proposed annual production capacity 1.0 Million TPA, along with installation of 03 crushers (1 Primary Crusher of 700 TPH and 2 Secondary Crusher of 350 TPH capacity)ग्राम– हरियाव, जसपुरा एवं पदमपुरा, तहसील–वल्लभनगर एवं कुराबड, जिला–उदयपुर स्थित प्रस्तावित परियोजना हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति बाबत् आयोजित की गई है। प्रस्तावित परियोजना की लागत लगभग रू. 160/– करोड़ है।

अतः उद्योग के पर्यावरणीय सलाहकार द्वारा परियोजना के बारे में जो जानकारी दी जावेगी उसे ध्यानपूर्वक सुन तत्पश्चात् आपको यदि इसके बाबत् कोई सुझाव/शिकायत हो तो कृपया सबसे पहले अपना परिचय दें जिसमें आप अपना नाम तथा गांव का नाम बताए साथ ही अपना सुझाव/शिकायत जो भी हो लिखित अथवा मौखिक जैसा आप उचित समझें हमें दे सकते हैं।

इस जनसुवाई के दौरान आप द्वारा जो भी सुझाव/शिकायत की जावेगी चाहे वह लिखित हो या मौखिक हो उसे हम कलमबद्व करेंगे तथा जनसुनवाई की कार्यवाही की विडियोग्राफी भी ली जा रही है। इसकी सी. डी./डी.वी.डी. के अनुरूप कार्यवृत बनाये जायेंगे। जिसको राज्य स्तरीय पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन प्राधिकरण (SEIAA) जयपुर को प्रेषित करेंगे क्योंकि इस इकाई को सन्दर्भ की शर्त (TOR) दिनांक 29.08. 2024 को इस कमेटी द्वारा जारी की है एवं उसमें वर्णित समस्त शर्तों की उद्योग द्वारा पालना की जा रही है या की जायेगी जिसकी संपूर्णता सुक्षमता से जांच कर पर्यावरण स्वीकृति पत्र जारी करने की कार्यवाही करेंगे।

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

लोक जन सुनवाई में उपस्थित क्षेत्र के पधारे हुए उधोग मालिक, ग्रामीण एवं जन प्रतिनिधि सदस्यों की सूची (परिशिष्ठ "अ" में सलंग्न) है।

उपरोक्त के पश्चात इकाई के पर्यावरणीय सलाहकार द्वारा उक्त इकाई के सम्बन्ध में तैयार की गई ई.आई.ए रिपोर्ट संबंधित बनायी गयी कार्यकारी सारांश/ई.आई.ए. की विस्तृत जानकारी दी गई जो की संलग्नक ''ब''के अनुसार है।

अतः कार्यकारी सारांश/ई.आई.ए. की विस्तृत जानकारी के पश्चात श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, रा.प्र.नि.म. उदयपुर द्वारा उपस्थित आमजन को अपने आक्षेप, सुझाव, शिकायते रखने हेतु आंमत्रित किया गया जो कि निम्नानुसार हैः–

श्री निर्भयसिंह राठौड़ गांव मन्देरिया :–

विगत कई वर्षो से हमारे ग्राम पंचायत में गौशाला नहीं है। नौ सौ एकड़ भूमि 300 बीघा चारागाह की भूमि है, उसमें गौशाला का कोई उल्लेख नहीं आया है जो भी माईन्स वालो ने बताया वो बात सही है लेकिन गौ कानाम कहीं नहीं आया। हमारे पूर्वजों ने बाप–दादाओं ने जो गौशाला लीज छोड़ रखी थी उस लीज में गौशालानहीं खुल सकी और माईन्स वाले विकास के दावे कर रहे है । लोक लुभावने वादे करते है लेकिन एक भी वादा सिद्ध नहीं हुआ।सर्वे में पाया गया कि यहां हर घर में एक बन्दा रख रखा है। जो भी बोले उसको नौकरी मिल जाती है। 100 मनुष्यों में से 50 मनुष्य ही रोजगार पा रहे है बाकि कोई नहीं पा रहे हैं। नही तो सर्वे करके देख लो। जय हिन्द।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

इसमें आपका कोई प्रोवीजन है क्या गौशाला का।

श्री हितेष सुखवाल, महाप्रबंधक (पर्यावरण), उदयपुर सीमेन्ट वर्क्स लि. उदयपुर :–

यह जो अभी आपका सवाल था इसको हमनें लिख लिया है और जो भी यहां के स्थानीय जो भी जनप्रतिनिधि होंगे उनसे विचार–विमर्श करके इसको क्रियान्वित किया जाएगा।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

इसमें नए वाले माईन्स में अभी रोजगार देने का कितनो का प्रावधान है।

श्री हितेष सुखवाल, महाप्रबंधक (पर्यावरण), उदयपुर सीमेन्ट वर्क्स लि. उदयपुर :–

प्रत्यक्ष रुप से 61 लोगों का रोजगार है। अप्रत्यक्ष रुप से कभी ओर रोजगार मिलते है तो अप्रत्यक्ष एवं प्रत्यक्ष दोनों तरफ से रोजगार मिलेंगे।

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

जो अनस्किल्ड है वो तो इसी गांव से लेंगे।

श्री हितेष सुखवाल, महाप्रबंधक (पर्यावरण), उदयपुर सीमेन्ट वर्क्स लि. उदयपुर :–

जी स्थानीयलोगों को लेंगे। वर्तमान में भी स्थानीय लोगों को ही प्राथमिकता दी जाती है।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

इनका जो गौशाला वाला प्रश्न है इनका कुछ न कुछ जरुर करिएगा। क्योंकि यह बड़ा वाजिब वो है। और भी कोई बोलना चाहे आ जाए। कोई भी काम आप सीएसआर में करवाना चाहते हो। कोई शिकायत हो आपको। कोई सुझाव हो।

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

एडिशनल महोदय एवं राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, मेम्बर्स उदयपुर सीमेंट वर्क्स लिमिटेड का जो पीछे बेनर लगा हुआ है इसके तत्वावधान में जो कार्यक्रम आयोजन किया है। मेरा आपसे अनुरोध है कि आपने पहले भी दरोली अन्य पंचायतों में भी ऐसे समय–समय पर इस तरह के प्रोग्राम का आयोजन किया था।उद्देश्य आप सभी महानुभवों का क्या है। यह आप अच्छे से समझते है, लेकिन हम यह समझ रहे है कि हमारे क्षेत्र को कहीं न कहीं अन्धेरे में रखा जा रहा है। यदि हम लोगों की आवश्यकता नहीं है। हमारी पंचायतों की, हमारे पंच – सरपंचों की, पंचायत समिति सदस्य हो चाहे अन्य कोई भी प्रतिनिधि हो, यदि इनका कोई महत्व नहीं है और इनकी आवश्यकता यदि आप लोगों को नहीं है तो मेरे हिसाब से यह इस तरह से प्रोग्राम पंचायतों में आकरके आपको करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि ऑफिशियल सारे काम हो जाते है। मेरा इन्टेन्स यह नहीं है कि मैं कुछ गलत बात कह रहा हूँ या आपके प्रति भी कोई कुछ कह रहा हूँ। मेरा सीधा सा तात्पर्य यह है कि हमारे क्षेत्र में जो विकास की जो परिभाषा है उसको धरातल पर कितना डवलप किया है जिसमें आप विजिट कर सकते है। गांव, ढाणी, मोहल्ला, फला घूम–फिर सकते है। देख सकते है। रास्ते, भवन, शिक्षा, चिकित्सा और भी अनेक ऐसीचीजें है। बिजली व्यवस्था है। इन सब को आप देखिए आपको लगेगा कि हम कहीं पहाड़ियों में जंगलों में बिना सुविधाओं के रह रहे है वेसा लगेगा।एक रोड़ निकली हुई है जिसमें आरएसईबी अपने पोल गढे–गढे जाते है रोड के ऊपर । क्या यह रूल एण्ड रेगुलेशन में आता है क्या ? यह व्यवस्था में आता है क्या ? एक अगर डम्फर उससे ठुक जाएगा । पीछे अगर कोई पब्लिक बस है या कुछ लोग है अगर इलेक्ट्रिक वायर उसमें भीड़ जाएगा तो कितना बड़ा हादसा हो सकता है। क्या इन चीजों पे शासन–प्रशासन गम्भीर है ? क्या इन चीजों की कोई मॉनिटरिंग करता है ? कोई नहीं करता है। मुझे अच्छे से मालूम है कि आपका जो मकसद है वह तो आज पूरा हो जाएगा, लेकिन हम जनता का मकसद कब पूरा होगा, कैसे होगा? इसके

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

ऊपर शायद कोई गम्भीर रूप से विचार–विमर्श करने वाला नहीं है। साथ ही मैं कहना चाहूँगा कि एक सिस्टम बना हुआ है। खनिज–अप्रधान खनिज जो लीज होती है उसमें एक फण्ड बना हुआ है डीएमएफटी करके – डिस्ट्रिक्ट मिनरल्स फण्ड। मैं आपसे अनुरोध करना चाहता हूँ कि आप अपने पिछले कई वर्षों के आकड़े उठाकर देखिए हमारे क्षेत्र में डीएमएफटी फण्ड कितना लगा। कहा–कहा लगा, किस–किस प्रोजेक्ट पर लगा। किस–किस काम को लेकर लगा। आप ही हमें बता दीजिए इस चीज का आप हमें आकड़ा दीजिए, हम आपकी बातों से सहमत रहेंगे। लेकिन अन्धेरे में रखकर हमारी भोली–भाली जनता को ढगने का काम नहीं किया जाए। मेरा सीधा अनुरोध है कि डीएमएफटी फण्ड का क्या अधिकार है हम लोगों का वह आपको अच्छे से मालूम है लेकिन यहां का पैसा पूरी लोक सभा छोड़ो आप जहां मर्जी आए वहां बन्दर–बांट कर रखी है। मैंने पिछली बार भी कहा था लेकिन शायद इस पे किसी ने ध्यान नहीं दिया । क्यों नहीं ध्यान दिया जाता है। क्या आपका मकसद अपने काम को लेकर है या फिर हमारी भी आपको चिन्ता है। अगर हमारे क्षेत्र की भोली–भाली जनता का अगर आपको फिक्र है तो फिर डीएमएफटी फण्ड का जो हमारा अधिकार है उस अधिकार को फोलो अप कराने के लिए आप अपने आपको पाबन्द कराईए। शासन–प्रशासन को पाबन्द कराइए। आपके अधिकार क्षेत्र में यदि वो जो चीजें है तो उसको परिपूर्ण रुप से धरातल पर कैसे वो लागू हो सकती है उसके ऊपर आप इम्पलीमेन्ट करें और इम्पलीमेन्ट कराने की कृपा करावें। क्योंकि अभी हमारे निर्भयसिंह जी बोल रहे थे – गौशाला – आपको जानकारी में होगा और नहीं भी है तो मैं अवगत करा दूं कि हमारी गुपड़ी पंचायत के अन्दर एक 50 बीघे जमीन है जो चारागाह के नाम से सुरक्षित – संरक्षित भूमि पंचायत के अन्दर है वो आपके "डी" ब्लॉक के अन्दर आता है उस 50 बीघे चारागाह भूमि पशु के चरने के लिए जो संरक्षित की थी हमारे बाप–दादाओं ने या पंचायत के जो भी जनप्रतिनिधि या सरपंच, पंच रहे हो । यह उनकी अच्छी सोच थी तो आप हमें बताइए कि हमारे पशुओं को चरने के लिए – विचरण करने के लिए उस 50 बीघे जमीन का आपने अन्यत्र कहां शिफ्टिंग कराया। हमारे पशु चरने कहा जाएंगे उसके लिए आपने क्या सोचा। आप हमारे क्षेत्र के आकड़े उठाकर देखिए प्रतिघर में कितना पशु है क्या है – ये सारी चीजें समय– समय पर अलग–अलग एजेंसियां आती है वो सर्वे करके ले जाती है। कभी ड्रोन वाले आ रहे है कभी क्यालेकर आ रहे है – कभी क्या लेकर आ रहे हे। हम आबादी के पट्टे करा रहे है। हम आबादी में दर्ज करा रहे हैं। वो करा रहे है – ये करा रहे जबकि होता कुछ भी नहीं है तो यह सब क्यों हो रहा है। इसके पीछे क्या कारण है। एक तरफ आप कह रहे है कि विकसित भारत की बातें हो रही हैं, एक तरफ हम कह रहे है कि 5 जी का जमना आ रहा है लेकिन हमारे जो नेटवर्क है वो 4जी में भी ठीक से नहीं आते है तो क्या है? सरकार –कभी के सरवर सिस्टम आपके फेल हो जाते हैं। हमारे पब्लिक पंचायतों में काम करवाने के लिए जाती है तो वो धक्के खाती रहती। चक्कर काटती रहती है। अधिकारी आते है बोले कि सरवर काम नहीं कररहा है। बन्द कर दीजिए केम्प। परसो वापस आना। क्या आपने नोटिस किया कि एक आदमी 500/– रुपए की दिहाड़ी मजदूरी

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

करता है, कोई 400/– की करता है, कोई 1000/– रुपए की करता है वो 2 दिन पहले छुट्टी मांगता है और वो छुट्टीलेकर उस केम्प में आता है काम करने के लिए उसमें काम तक नहीं होते है तो यानि कि बहुत सारी चीजें है तो मैं आपसे अनुरोध करना चाहूंगा कि आज हमारे क्षेत्र के अन्दर छोटे–मोटे बहुत सारे औद्योगिक क्षेत्र आ गए है। छोटे–मोटे बहुत सारे प्लान्ट पड़ चुके है।रीको आ चुका है। सबकुछ आ चुका है लेकिन हमें क्या लाभ है इसका। हमारी क्षेत्र की जनता का क्या लाभ है। इन लाभों को सुनिश्चित कराने का काम कौन करेगा।मेरा आपसे सिर्फ यह अनुरोध है। हमारी एक सड़क है जसपुरा स्कूल से जीएसएस से ले करके लक्ष्मीपुरा जीएसएस। आज उस सड़क की हालत देखिए हमारे स्कूल का स्टॉफ पढ़ाने के लिए आने के लिए तैयार नहीं है। बोलते है कि आपके रास्ते खराब है। हमारी गाड़ी टूट जाती है। हम गिर जाते है। एक हमारे टीचर आरहे थे वो कीचड़ में गिर गए थे तो उनका पांव फ्रेक्चर हो गया अब वो उन्होंने वहां रहते थे वहां से मकान खाली कर दिया दूसरी जगह लिया और वो बोले कि यहां आना बड़ा दुखद है तो यह इनको कौन देखेगा, मुझे आप बताइए। तो मैं आपसे यह अनुरोध करना चाह रहा हूँ कि आप, जैसे सीमेंट देश की जरूरत है, देश के निर्माण में जरूरत है और होना चाहिए हमें इस बात की आपत्ति नहीं है। आपत्ति इस बात की है कि जिस चीज को लेकर सिस्टम आर्गेनाईज किया जा रहा है । जिस बात को आप कह रहे हो क्या उसको आप वास्तव में धरातल पर लाने का काम कररहे हो क्या? उसका कौन जवाबदार है यह बताइए आप तो। यह आप सुनिश्चित कराए कि हमारा डीएमएफटी फण्ड जो है हमारा जो हक है उसको कौन खा रहा है, क्यों बन्दर–बाट की जारही है।अभी यहां पुलिस प्रशासन बैठा है। डीएमएफटी के अन्दर एस.पी. भी होते है उस कमेटी के सदस्य। वन उपवन के अधिकारी भी होते हैं। डीएफओ तक होते है। उसमें कलक्टरर्स होते हैं। तो ये सारे लोग जो क्या कर रहे है, आप बताईए तो उस कमेटी के जितने भी सदस्य है उनकी क्या जवाबदारी है वो हमारे क्षेत्र में क्या कर रहे है क्या नहीं कर रहे है, क्या हमारा कितना विकास हो रहा है। क्या वास्तव में यह पैसा लग रहा है, नहीं लग रहा है। इन सारी चीजों पर आपका फोकस होना चाहिए। मेरा सिर्फ यह अनुरोध है कि 60:40 का रेशों आप कहीं भी चले जाइए कि जहां भी माईनिंग ऐरियाहो चाहे माईन्स हो, चाहे रिको हो। कुछ भी हो तो लोकल लोगों की नौकरियों का क्या है। उनको रोजगार कैसे मिलेंगे। हमारे यहां के बच्चें रोजगार के लिए दूसरी जगह जाकर बैठते है। उनको किराया देना पड़ता है। खाने की व्यवस्था करनी पड़ती है। पेट्रोल जलता है उनको तनख्वाह मिलती है 10,000/–, 5,000/– उसमें से उनका खर्चा हो जाता है। घर कैसे चलेगा क्या हमारे स्थानीय क्षेत्र के अन्दर स्थानीय लोगों को रोजगार कैसे मिले इसके ऊपर भी आपको विचार करना पड़ेगा और इसके लिए आप पूर्ण रुप से समस्त जो जवाबदार अधिकारीगण वो है। चाहे वो नेता हो कोई भी हो एक्स वाई जेड़ जिनकी जो जवाबदारी जो तय होती है उनको आप इण्डीकेट करें उनको आप लिखित में उनको दीजिए कि इन चीजों की पूरी समय–समय पर आप जो कमेटी बना करके वास्तव में क्या हो रहा है या नहीं हो रहा है। क्या बेरोजगारी कितनी है या नहीं है। हमें नौकरी के लिए धक्का खाना पड़ रहा है।

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

क्यू खाना पड़ रहा है – बताईए आप हमें। जब हमारे यहां पर अरबो –खरबो मिलियन ट्रिलियन की बातें होती है सम्पत्ति है ना। धरती धन है तो कहीं न कहीं इनको संरक्षित करने का हमारे बाप दादाओं ने काम किया है। पड़दादाओं ने काम किया है। इन चीजों को हमनें बचा के रखी है आप सोचिए कि इतनी बड़ी जमीन है यदि हम लोग भी उद्योग लगा सकते है। हमारे में से कई ऐसे बन्धु है जहां उनके पास अगर धन नहीं है लेकिनधरती धन तो है। हम आपको कह सकते है कि आप मशीनरीज डालिए प्रोफिट का हम 40 परसेन्ट लेंगे 60 परसेन्ट आप ले जाओ तो बहुत सारे लोग बैठे है आपको भी पता है तो ऐसे तो हमारे अधिकार छीन लिए जा रहा है हमें क्या मिल रहा है बताइए। यह मैं मेरी बात नहीं कर रहा हूँ । यहां बैठे हुए समस्त क्षेत्र की जनता की बात कर रहा हूँ कि जब हम मिलियन ट्रिलियन वाले है बावजूद आज हमारे रोटी के जुगाड़ के लाले पड़ रहे है। घर के लाले पड़ रहे हैतो मेरा आपसे अनुरोध है कि रिको हो चाहे अप्रधान खनिज क्षेत्र हो, माईनिंग हो ये सारी चीजें देश के निर्माण के अन्दर इनका बहुत बड़ा रोल होता है, लेकिन साथ–साथ हमारे क्षेत्र की जनता को इनका क्या फायदा मिलेगा, कितना फायदा मिला है, कितना फायदा मिलेगा और वास्तव में इन्होंने विकास के अन्दर क्या भूमिका निभाई है। इसको तय करने की जवाबदारी तय करिए । मैं इतनी सी बात कह कर अपनी बात को विराम दूंगा और आप सभी को सधन्यवाद।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

आपने जो–जो बाते कहीं है अभी इसका आप एक ज्ञापन कलक्टर साहब को जरूर दे दे क्योंकि इसमें से कुछ चीजे बिल्कुल जायज है और कुछ चीजें इस माईन्स की पब्लिक हीयरिंग से रिलेटेड नहीं तो भी आप कलक्टर साहब को जरूर देवे इसका। और आपकी जो भी बात आपने जो भी चीज कही है इस माईन्स के बारे में वो हम as it is फोरवर्ड कर देंगे। इनको उसके ऊपर जवाब देना पड़ेगा कि भाई ये लोग क्या कर रहे है उसके अन्दर। उसके पहले इनवायरन्मेंट क्लीयरेन्स नहीं होती है। पर्यावरण स्वीकृति। तो आपकी बात का पूरा महत्व है इसके अन्दर।

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

सर , आपके माईन्स के रिलेटेड नहीं है लेकिन मेरा यह अनुरोध है बिजली, सड़क, शिक्षा, चिकित्सा क्या यह हमारी मूलभूत आवश्यकता नहीं है।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

नहीं, इसमें एक्च्युअली अभीजो अपन बात कर रहे है यह तो एक माईन्स की पब्लिक हीयरिंग है आप जो भी चीज कह रहे हो इसका ज्ञापन अलग से दे दे।

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

सर, एक ही सिक्के के दो पहलू होते है। चीज एक ही होती है।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

अगर आप इनसे से कुछ चीजे इनसे करवाना चाहते है तो वह आप बताईए, कौनसी क्या–क्या चीज यहां से हो सकता है वो अपन इनसे करवाएंगे फिर।

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

सर, इनवायरमेंट के अन्दर मैंने देखा है कि हमारे जो ऐनिकट्स है उनके निर्माण हुए थे। सर, पानीनहीं टिका उनका, निकल गया। किसने किया इसका निर्माण, किसने ठीक किया इसको।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

एक–एक करके बोलिए हमारे यहां रिकॉर्डिन्ग चल रही है इसकी।

श्री दीपेन्द्र सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन), उदयपुर :–

इसमें आपने जो भी बात करी है वो सब नोट डाउन हो गयी यहां पर। यह यहांपर इसमेंतोजाएगी ही जाएगी तोंजो आपने कही । सारी बातें इसमें नोट डाउन हो गयी तो जाएगी ही जाएगी। जो पर्यावरण सुनवाई है । इसके अलावा भी जो आपका कोई इश्यु है तो वो भी आप बता सकते हो – इसमें कोई इश्यु नहीं है।

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

सर, ये सारी चीजें पर्यावरण से ही जुड़ी हुईहै। माईनिंग होने से वाटर लेवल डाउन हुआ है हमारा निश्चित रुप से । वाटर लेवल डाउन हुआ है हमारी खेती सुखने जा रही है पानी का बन्दोबस्त माईन्स क्षेत्र जोहै माईन्स के जो जवाबदार है या संबंधित डिपार्टमेन्ट है वो हमारे क्षेत्र को पानी उपलब्ध करा सकते है।

श्री दीपेन्द्र सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन), उदयपुर :–

बिल्कुल जायज है आपकी बात। उसकी इनसे जो भी होगी कार्यवाही करवाएंगे।

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

दूसरा यह कि पानी पीने की जो समस्या अब गर्मी आएगी तो इसकी भयंकर समस्या आने वाली है तो पानी हम कहा से पीएंगे, कैसे पीएंगे तो उसके लिए भी बन्दोबस्त किए जाए।

श्री दीपेन्द्र सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन), उदयपुर :–

बिल्कुल–बिल्कुल, करवाएंगे।

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

ऐसी बहुत सारी चीजे है सर।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

आपकी पानी की कितनी रिक्वायरमेंट है। करीब–करीब कितनी होती है।

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

आपके सिस्टम के अन्दर मतलब सारे सिस्टम बने हुए है। अधिकारी बैठे है, पटवारी है मतलब और कई सारे अधिकारी लोग है और कई तरह के सिस्टम है। सर, आप इसकी जांच कराइए। आप उसका पता लगाईए। एक्चुअल रिपोर्ट बनाइए। सर, कागजी रिपोर्ट नहीं, एक्चुअल रिपोर्ट। ग्राउण्ड लेवल पे वास्तव में कितनी जरुरत है तो आपको पता चल जाएगा हकीकत ये चीजें है। दूसरा यह है कि डीएमएफटी फण्ड जो वो है वो एल्टरनेट एक दूसरे से जुडी हुई चीजे है तो हमारा पैसा तो बाहर लग रहा है न सर। हमारा क्षेत्र डवलप हो सकता है उसको सही सुचारू रूप से लगाया जाए तो हमें तो जरूरत कहा पड़ेगी – बताई सर। हमारा अगर । आगे रोड़ पर जाकर खम्भे देखिए खाली किसी अधिकारी को भेजकर देखिए, खम्भे देखिए ऐसे मर्जी आए जहां गाड़ दिए खम्भे तो क्या हमारा खतरा नहीं है भविष्य का। कोई भी जनहानि हो सकती है न सर। उसकी जवाबदारी कौन लेगा। सर, हम पीडब्युडी केपास जाते है वो बोलते है कि आरएसईबी के पास जाओ। आरएसईबी वाले बोलते है कि पीडब्ल्युडी के पास जाओ – हम कहा धक्के खाएंगे तो कहीं न कही तो जवाबदारी होनी चाहिए। विभाग जवाबदारी तय करें अपनी कि काम कैसे होगा। मर्जी आए जैसे काम थोड़े हीहोता है सर। तो ये मूलभूत चीजें है तो हमारा जो कहना है आपसे कि यह जो आर्गेनाइज हो रहा है सिस्टम यह पर्यावरण को लेकर के है। मैं मानता हूं लेकिन कहीं भी चीजें एक दूसरे से जुड़ी हुई है ।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

बिल्कुल ठीक है।

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

तो हमारा हक यह बनता है कि आप डीएमएफटी को हमारे क्षेत्र के लिए लागू करवाइए। उसका रुल कह रहा है, साफलिखा हुआ है। आप पिछला रिकॉर्ड उठाइए कितना करोड़ों रुपए इधर–उधर खर्च हुआ है तो क्या हमारा हकनहीं है इस पेसे पर । हमारे क्षेत्र का हक नहीं है क्या, आप बताईए।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

आप एक ज्ञापन बना कर दे दिजिए हम इसको फोरवर्ड कर देंगे ।

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :—

ठीक है सर। इस बात का आप विश्वास दिलाईए कि इस पर जरूर काम होगा तो हम क्षेत्र की जनता मिलकी लिख करके देंगे जरूर। कई बार लिखा।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :—

आप लिख कर दे दीजिए। कलक्टर साहब को । लिख के दे दीजीए। एडीएम साहब को लिख के दे दिजीए कोई दिक्कत नहीं।

श्री सज्जन सिंह राणावत, पूर्व सरपंच, गुपड़ी :—

माननीय कलक्टर साहब । मैं आपसे निवेदन करना चाहूंगा कि हमारी सीमेन्ट फेक्ट्री वालों से कोई लड़ाई नहीं है। लड़ाई आप करवाते हो। इसलिए करवाते हो कि पैसा तो आप लेलेते हो डीएमएफटी फण्ड में। हम इनके पास जाते है लड़ाई करने के लिए कि हमारे को पानी चाहिए तो वो यूंक हते हैकि पैसे तो वो ले गए कलक्टर साहब। अब यह जो इश्यु आ रहा है मेरा भाई जो पहले बता रहा है उसका सार यह है कि आप जब जनसुनवाई करने आते हो तीन—तीन बार चार—चार बार हमने जनसुनवाई हुई उसमें हमने यही बात कही है। डीएमएफटी फण्ड का जो पैसा अभी है हम नहीं कह रहे है कि 100 प्रतिशत आप हमारे को दो लेकिन हमारा कुछ हक बनता है या नहीं बनता है। मैं आपसे ही निवेदन करना चाह रहा हूँ । मैं यह मान रहा हूँ कि आप हमारे गांव के ही । रोजगार की बात आप कहते हो। हम भी मानते है कि हमारे स्थानीय लोगों को जितना हम मांगते है उतना नहीं लेकिन फिर भी सीमेन्ट फेक्ट्री ने रोजगार दे रखा है वहा तक ठीक है लेकिन उतना नहीं दे रखा है जितना हम मांगते है और उसके अलावा आप इसको बढ़ा रहे हो तो दूसरे गांव जुड़ रहे है। आपका नया कोई भी आए प्लान्ट तो आप उन लोगों को फायदा दो।आज हम मूलभूत सुविधा क्या है। यह हमारा पंचायत भवन है। यहां पर घोषणा की कि हम इसको मोडिफाई करा रहे है उसके पर्दे ही कहा चले गए। यह कौन देखेगा, मुझे बताओ सर। अब जो भी प्रोबलम जो बेसिक सीमेंट फेक्ट्री की है वो मान रहे है लेकिन सबसे मोटी लड़ाई हमारी आपसे है और आपसे इस बात की हैकि आप पैसे लेते हो तो हमारे को पैसा देते नहीं हो। हम इनके पास जाते है तो ये पुलिस का डण्डा लेकर आ जाते है हमारे 10—10 मुकदमे हो चुके है। हम जाते है कि भाई हमारे पानी नहीं आ रहा है तो लड़ाई हम उनसे करते है। हमारा भोला—भाला आदमी समझता ही नहीं है ये पुलिस को बुला लेते है वो पकड़ कर अन्दर कर देता है। क्यू उसको पता ही नहीं कानून क्या है। अब इस चीज की जो बीमारी है वो कहीं न कही तो सर आपके डिपार्टमेंट कलक्टर साहब की है। मैं यू नहीं कह रहा है कि पर्यावरण की कुछ है। आपअभी मावली को कोई खनन नहीं है, आपने 200 करोड़ रुपये दे दिये उसको नहर को बनाने के लिए । अरे हमारे को 2/— रुपए तो देते आप। हमारा हक बनता कि नहीं बनता सर। अब ऐरिया में आप सर्वे कराओं एक भी गांव के अन्दर ढंग की पेयजल योजना कुछ नहीं है और पानी हमारा फ्लोराईड है।

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

हम यह नहीं कह रहे है कि सीमेन्ट फेक्ट्री से हो रहा है। हम यह नहीं कह रहे है कि दूसरी माईन्स से हो रहा है लेकिन कहीं नकहीं से तो हो रहा है उसको कैसे पीए पानी को।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

आप लोग एक बार कलक्टर साहब से बात करों ना जाकर एक बार। ये पूरी आपकी जितनी समस्या हे ना एक बार जाकर पूरी उनको बताओ। भाई ये सब चीजे है।

श्री सज्जन सिंह राणावत, पूर्व सरपंच, गुपड़ी :–

सर। आप यहां पधारे हुए हो। उनके प्रतिनिधि हो तो आपसे ही बताएंगे न। आप हमारे घर पर पधारे हुए हो घर से तो हम आपसे कुछ भी मांग सकते है न।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

नहीं–नहीं। थोड़ा सा मैं आपको इसलिए गाईड करना चाह रहा हूँ कि यह चीज डायरेक्टली जो है ना अभी हम जो यहां से भेज रहे है ना वो हम कलक्टर साहब को नहीं भेज रहे है। हम तो भेज रहे है हमारी मिनिस्टरी के अन्दर । तो ये बेसिकली जाने के लिए आप एक सेपरेट ज्ञापन अगर दे दे तो वो कलक्टर साहब को देकर समस्या बतावे। सारी। एडीएम साहब है यहां पर ।

श्री सज्जन सिंह राणावत, पूर्व सरपंच, गुपड़ी :–

एडीएम साहब बैठे है उनसे निवेदन कर रहा हूँ।

श्री दीपेन्द्र सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन), उदयपुर :–

बिल्कुल–बिल्कुल आपकी जो बात है मैं कलक्टर साहब के समक्ष मैं रख दूंगा। पर एक क्या होता है कि कुछ चीजे कागज पर बनकर आ जाती है न वो बात करना ठीक रहता है। इसलिए हम लोग वो कह रहे है कि कुछ आप नोट डाउन करके एक पेज लिख कर दे दीजिए कि यहा हमारे इतनी माईन्से है यह–यह गांव है। डीएमएफटी में आज तक काम हुआ–नहीं हुआ । एक बार वहां जो माईनिंग डिपार्टमेंट वालो को बुलाकर देख लेंगे कि इधर कोई सेंक्शन हुई कि नहीं हुई।नहीं हुई तो क्यों नहीं हुई। आने वाली जो भी मिटिंग होगी । गवर्निंग काउंसिल होगी उसमें आपकी जो भी चीजे होगी कि सब हमारे यहां यह समस्या है यह होना चाहिए डीएमएफटी में तो उसको कलक्टर साहब को कहेंगे तो वो बिल्कुल कलक्टर साहब उसको प्रायोरिटी से उसमें रखेंगे।

श्री सज्जन सिंह राणावत, पूर्व सरपंच, गुपड़ी :–

अब मैं आपको छोटा सा निवेदन करू। मन्देरिया में कुछ जमीन बिलानाम पड़ी हुई है बाकी लीज है। हमने ग्राम पंचायत से प्रपोजल दिया कि इसको आबादी विस्तार किया जाए। आपकी प्रशासन की बात कर रहा हूँ मैं सीमेन्ट फेक्ट्री की बात नहीं कर रहा हूँ। हमने प्रशासन को अपने पंचायत से प्रस्ताव

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

बनाकरके दिया कि भाई इसको आप आबादी विस्तार करों वो फाईल हमने जमा कराई है उस फाईल का अता–पता नहीं है वो सारी जमीन गई लीज में। अब कहां बैठकर रोए साहब हम।

श्री दीपेन्द्र सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन), उदयपुर :–

कौनसी लीज में गई।

श्री सज्जन सिंह राणावत, पूर्व सरपंच, गुपड़ी :–

ये सीमेंट फेक्ट्री वाली मन्देरिया वाली में पहले वाली में।

श्री दीपेन्द्र सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन), उदयपुर :–

मुझे देखना पडेगा । अभी आप कह रहे हो।

श्री सज्जन सिंह राणावत, पूर्व सरपंच, गुपड़ी :–

अब ऐसी परिस्थिति में अब हमारी जो लड़ाई होती है डायरेक्ट फाईट इनसे होती है। येपुलिस का डण्डा चलाते है और अब हम कहा जाए बताओ साहब । अब हमारी परिस्थिति जो मैं जो आपको बता रहा हूॅं। आप पूछों इनको कि इन्होंने डीएमएफटी फण्ड में कितने पैसे जमा करवाएं सीमेन्ट फेक्ट्री वालों ने। यहां बैठे हुए है। बताए। अभी समाधान हो जाएगा। और उसके बाद मेंपानी सारा सुख चुका है और हमने एक छोटा सा प्रपोजल दिया। हमारे यहां जो माईन्स लगाई है उसका पानी ऊपर डाल दे तो हमारे मन्देरिया गांव के कुओं में पानी चला जाता है। अब वो वहां पाईप से पानी डालने के लिए भी तैयारनहीं है। यह मैंने चार बार निवेदन किया है कि आप वहांपानी डाल दो। और अगर इस नोर्म्स के अनुसार आप परमिशन देते है तो हमें तकलीफ थोड़े ही है । हमें तकलीफ इस बात की है जो आपसे हमारी हो रही है बाकी आपने इसमें जो भी बताया पेरामीटर्स वो पेरामीटर्स गवर्नमेंट के तय है और वो ही पेरामीटर आप बता रहे हो और वो ही हम सुन रहे है। पर उसकी कियान्विती आपका डिपार्टमेंट देखता है वो कैसे देखता है जो आप जानते हो। हम तो वहां आ ही नहीं सकते। आपके पेरामीटर जो भी है पर्यावरण का उस पेरामीटर से आप इनको फोलो कराओं और हमारी कोई समस्या हो उसको आप दूर कराओं तो हम क्यू नहीं चाहेंगे। हम चाहेंगे कि हमारे ऐरिया का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से डवलपमेंट तो होगा यह बात सही है। कोई भी कारखाना आएगा तो डवलपमेंट होगा। मैं भी मानता हूॅं। चाय वाले की दुकान भी चलेगी लेकिन समस्या तो यह है कि उससे ज्यादा हानि हो रही है ओर वो भी माननीय कलक्टर साहब आपके द्वारा की जा रही है, उसका हमारे को विरोध है। इसलिए मेरा तो यह कहना है करबद्ध निवेदन है आप इस पर ले ताकि कभी कभी आप और हमारे को फेस नहीं करना पड़े क्योंकि ये बातें होगी। धीरे–धीरे उठ कर आएगी लोग सड़कों पर आएंगे। परेशान प्रशासन होगा। सीमेंट फेक्ट्री नहीं होगी । या तोपुलिस लड़ेगी या फिर आप परेशान होंगे। हम यही के रहने वाले है कुछ न कुछ तो करेंगे । सोच के थोड़े बैठेंगे फ्री में । इसलिए मेरा

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

यह आग्रह है कि आप डीएमएफटी फण्ड का पैसा हमारे को दिलाओ। फिर आपके जो भी एरिया है हमारा 7–8 किलोमीटर जो भीऐरिया आता है उस ऐरिया के लोगों को जो उपलब्ध लोग है उनको आप उसकी योग्यता के अनुसार रोजगार दो। हम यह नहीं कह रहे है कि उन सबको मैनेजर बना दो । जो भी हमारी योग्यता है सीमेन्ट फेक्ट्री वालो से भी यह निवेदन करना चाहूंगा, उनकी योग्यता अनुसार उनको सबको नौकरी देवे और मेरा यही आपसे करबद्ध निवेदन है कि अगली बार आप पधारों तो हमारे को इसमें कुछ राहत मिले। सारी उम्मीद पर्यावरण वालो से तो मेरे को है नहीं इनको दो बार ज्ञापन देकर आ चुका हूँ। आपको कलक्टर साहब से विशेष यही निवेदन है।

श्री रघुवीर सिंह चौहान :–

प्रदूषण विभाग से पधारे हुए सभी अधिकारी और समस्त गांवों से पधारे हुए भाइयों और कलक्टर साहब और सभी जनप्रतिनिधिगण । ये जनसुनवाई करीबी 4–5 सालों में 4–5 बार यहां हुई है वो सीमेंट फेक्ट्री की में शायद मैं पहली बार ही आया हुआ हूँ। लेकिन पहले भी माईनिंग के बारे में भी यहां जन सुनवाई हुई है और प्रदूषण विभाग उसमें उपस्थित था और मैं भी था। तो यह मेन प्रदूषण विभाग की है तो मैं आपसे ही कुछ क्वश्चन करना चाहूंगा कि अभी कुछ समय पहले प्रदूषण विभाग वाले माईनिंग की लीज के लिए आए थे। क्या प्रदूषण विभाग एक बार लीज देने के बाद जब यहां एनओसी मिल जाती है तो क्या वापस चेक करता है। कभी प्रदूषण विभाग इस एरिए में वापस घूमता है जो आपका प्रदूषण विभाग के जो पूरे क्राईटेरिया बताते हो कि इस क्षेत्र में जो भी कोई नयी माइनिंग करेंगे तो उसमें उसका कितना मीटर उसकी खुदाई होनी चाहिए। हमारे यहां इस हरियाव में प्लेट में क्षेत्र में इतनी माईन्से खुद गई है जिनकी लिमिटे है उससे भी कही ज्यादा खुदाई हो गयी है और हमारे इस क्षेत्र में गुपड़ी मन्देरिया, चौहानों का गुड़ा, जसपुरा, असावरा इन सब क्षेत्रों में पानी बिल्कुल ही खत्म होचुका है। कुए सुख गए है, ट्यूब वेले सूख गयी है। अभी गेहू बोया उस समय तो अच्छा पानी था लेकिन आज की तारीख में पानी है ही नहीं । क्या पर्यावरण विभाग इस ओर ध्यान देगा। यहां के लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है क्या सीमेन्ट फेक्ट्री यहां कोई डीएमएफटी फण्ड से एक आरओ भी ये ऐसा बता दे कि इन्होंने लगवाया हो। यहां फ्लोराईड तो है ही है मानते है लेकिन क्या डीएमएफटी फण्ड से इस क्षेत्र की जनता को जो धूल मिट्टी खा रहे है तोक्या आर ओ तो आबादी क्षेत्र है एक डीएमएफटी फण्ड से या राज्य सरकार के किसी भी मद से एक–एक आरओ तो एक–एक गांव में होना चाहिए ना। पर्यावरण विभाग नोट करें इस बात को भी । और आपका जो एक उसमें माईनिंग का है कि जो भी गाडियां यहां से जाएगी ढककर जाएगी। हमनें तो कभी आज दिन तक इतने सालों में एक भी गाड़ी के पर्दा लगा हुए ऐसी कोई नहीं देखी जिस पर पत्थर ढक कर ले जाते हो। माईनिंग का खनन क्षेत्र इतना गहरा हो गया कि बिल्कुल ही पानी आगे तो हमारा पानी का इधर चलता है। इस क्षेत्र में मेन सूखने का कारण है कि आपकी माईनिंग गहरी हो गयी

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

है।पर्यावरण के क्षेत्र में कहते है कि इतना हम वो पेड़–पौधे लगाएंगे। हमारे इस क्षेत्र में तो आपके डीएमएफटी फण्ड से या किसी भी माईनिंग वालो ने कोई नहीं लगाए पेड़–पौधे। रही बात आपकी सीमेन्ट फेक्ट्री की तो क्या सीमेन्ट फेक्ट्री वाले यह गारण्टी देंगे कि हमारे इस ग्राम पंचायत गुपड़ी के प्रत्येक गांवों के युवाओं को रोजगार मिलेगा। मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि उनको आप मेनेजर बनादो लेकिन युवाओं को उनकी काबिलियत के अनुसार उनकी योग्यता के अनुसार तो उसमें रोजगार मिले। हमें शर्म आतीहैकि यहां की इस पंचायत के लोग उदयपुर में, मादड़ी में, चित्तौड़ में, राजसमन्द में नौकरियों के लिए दौड़ते और वो कहते कि आपके पास में तो सीमेन्ट फेक्ट्री है ना वहां क्यों नहीं जाते हो क्यों यहां वाले रखेंगे क्या। कुछ भाइयों को रखते है और कुछ को भगा देते है । ज्यादा कुछ करें वहां तो मुकदमे दर्ज होते है फिर लोग एक बार जाएंगे दो बार जाएंगे 2–4 मुकमदे करेंगे ये पुलिस वाले लठ्ठ लेकर दोड़ेंगे 2–4 रखेंगे घर वाले बोलेंगे बेटा मत जा उधर, अपने इधर पकड। तो इस क्षेत्र की मेन तो युवाओं के लिए रोजगार अगर उपलब्ध हो तो आप इस आप इस क्षेत्र और इस चीज को आगे बढ़ाए और इस माईनिंग का पर्यावरण विभाग भी इस पानी के लिए और रोजगार के लिए विशेष ध्यान दे। और इस क्षेत्र में आप सर्वे करें वापस तो ही पर्यावरण की एनओसी दे बाकी आप मना कर दे हम जैसे चल रहे वैसे चलते रहेंगे। धन्यवाद।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

आपके इसमें वाटर सप्लाई का क्या प्रोवीजन है सीएसआर के अन्दर गांवों में। अभी कुछ जैसे आर ओ सिस्टम की बात हुई तो आरओ तो हर गांव में वैसे ही अपने सीएसआर में आते ही है ये लोग। तो आर ओ तो आप कम से कम लगवा ही दे जिससे पीने का पानी तो सुनिश्चित हो जाए हर जगह गांव में। अभी आपका कोई प्रपोजल है तो आप बताए।

श्री हितेष सुखवाल, महाप्रबंधक (पर्यावरण), उदयपुर सीमेन्ट वर्क्स लि. उदयपुर :–

सर, यही है कि हमने पहले भी बात की और अभी हम कह रहे है कि जो भी आपके सुझाव आ रहे है उनको सूची बद्ध कर रहे है और उसके हिसाब से हम पूरी कार्य प्रणाली बनाकर आप लोगों से ही आपकी भागीदारी से डिस्क्शन करके विचार–विमर्श करके उसको क्रियान्वयन करेंगे।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

इसमें बेसिकली आप क्या करेंगे – सरपंच महोदय जो भी होते है यहां के उनके आप टच में रहे, क्योंकि देखो हर आदमी केतो आप कोन्टेक्ट में नहीं रह पाएंगे । आप सरपंच से ये ले कि यहां की क्या रिक्वायरमेन्ट है। देखों वाटर सप्लाई तो आपको करनी ही करनी है। इतना आप सोच के चलिए मतलब इसमें आपको कोई प्रपोजल Yes या No नहीं करना है। यह तो आपको करना ही है। मतलब जितने भी गांव यहां पर है यहां सरपंच है ना। वहां आरओ सिस्टम जरुर लगवाए ताकि कम से कम पानी के लिए तो

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

सबको इधर–उधर नहीं जाना पड़े। गवर्नमेन्ट का काम तो जब हो जब होगा but आप एक बार व्यवस्था यह वाली करवा दे अपने सीएसआर में आ ही रहे है ये लोग। इसमें आप कम से कम इनको यह नहीं बताए कि आपने डीएमएफटी फण्ड में दे दिए है पैसे तो हम ये नहीं करवा सकते। यह आप लोग करवा लेंगे।

श्री हितेष सुखवाल, महाप्रबंधक (पर्यावरण), उदयपुर सीमेन्ट वर्क्स लि. उदयपुर :–

जी सर,यही मैं कहना चाह रहा हूँ कि प्रस्तावित परियोजना जैसे ही कियान्वयन में आएगी हम इसका संज्ञान लेंगे।

श्री जोधसिंह, निवासी पदमपुरा, ग्राम पंचायत पदमपुरा, वार्ड पंच पदमपुरा, तहसील कुराबड़ :–

सर समस्या तो बहुत सारी है। आप सब बता रहे थे । मैं सब सुन रहा था। सबसे बड़ी समस्या यह है प्रजेन्ट में जो माईन्से चल रही है बारिश के दिनों में पानी भर जाता है उसके अन्दर । वो पानी अक्टूबर–नवम्बर माह में छोड़ते है जो पानी हमारे खेतों में आता है। हम लोग उस टाईम गेहू बोते है साहब। यह सीजन होता है अक्टूबर–नवम्बर में गेहूँ बोने का सही टाईम होता है साहब वो पानी हमारे खेतों छोड़ देते है हम उस खेतको ऐसे ही छोड़ देते है नहींतो आप हमारे साथ पधारों। हमारी जमीन ऐसी की ऐसी पड़ी हुईहै। हम उसमें गेहूं नहीं बो सकते है। हम उसमें मक्की नहीं होती है। साहब हमारे खेत ऐसे के ऐसे पड़े हुए है साहब।दूसरी बात मेरी निजी जमीन है हरियाव के अन्दर । खातेबन्दी जमीन है साहब वहां पर पास में क्रशिंग प्लान्ट लगा रखे है जिसने बेची बेचने वाले ने बेच दी, लेने वाले ने ले ली वहां क्रशर प्लान्ट लग गए। प्लान्ट के जस्ट पास में मेरी जमीन है वहां पर जो मिट्टी उड़ती है वह हमारे साहब खेतों में आती है। चारा में आती है। सब कुछ वहां आता है तो आज कन्डीशन यह है साहब वो चारा भी लायक नहीं है। हम वह चारा पशुधन नहीं खाते साहब। ऐसी स्थिति कर रखी है। कहने का मतलब न तो पानी का छिड़काव होता है, कुछ नहीं होता है। सर जो मिट्टी उड़ रही है वह हमारे खेतों में आ रही है, चारे में जम रही है और वह चारा कुछ कामनहीं आ रहा है हमारे यहां पर। दूसरी चीज हमारी जमीन हरियाव के अन्दर खाता नम्बर 52 पर हमारा जमीन को आपने लीज क्षेत्र में ले रखा है। साहब हम तो किसान आदमी है हमारी पशुधन हमारी इस जमीन के उपर डिपेन्ड है। हम लोग कहा जाएंगे। हम लोग गवर्नमेंट सर्वेन्ट तो है नहीं है जो हमारे पैसे आ रहे है आगे से तो हमारी आजीविका चल जाएगी। हमारी जो खेती लायक जमीन है उसको आपने लीज में ले लिया है। हमारा पशुधन उसके उपर डिपेन्ड है फिर हम लोग क्या करें। बेच के चले जाए या कही और जाकर चले जाए। आज मेरे घर से कम से कम डेढ–दो किलोमीटर वर्तमान में माईन्से है। आज यहां ब्लास्टिंग होता है मेरा घर हिल जाता है सर। मैं फोटों खिंच के लाया हूँ और दीवारों में दरारे पड़ी हुई है साहब। हमारे लाईटे लगी हुई है लाईटे नीचे लटक रही है उसका सर क्या है। बड़ी मुश्किल से मकान बनाया साहब हम लोगों ने और आज कंडीशन

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

यह है लाईटे नीचे लटक रही है हमारे मकान की और दीवारों में दरार हो गयी साहब उसका क्या करेंगे हम लोग। हम लोग कहा जाए कितना नुकसान हो रहा है साहब हमारा। उसका जवाबदारी कौन होगा। हम किसके पास जाए। जाए तो किसके पास जाए हम लोग बताओ साहब आप। आज आपने जो पदमपुरा में जमीन ले ली लीज पर कोई बात नहीं, जमीन थी ले ली। हमारे पुरखों ने हमारे बाप–दादाओं ने पहले ध्यान नहीं रखा और शायद वह जमीन चारागाह में होती गोचर में होती तो शायद आज इनकी नौबत नहीं आती। लेकिन हमारे जो बाप दादाओं ने जो सोचा था कि यह जमीन हमारी है । गो माता के चरने के लिए छोड़ी है। उस जमीन पर हमारे गांव वाले इतना रख–रखाव करते है साहब बाउण्डरी बना रखी है अगर कोई उस पर कब्जा करता है तो हम लोग उसका बहिष्कार कर देते गांव से। इतना तो नियम बना रखा है गांव के स्तर पर लेकिन आज यह टाईम आ गया । चलो ठीक है हमारी गलती थी हम लोगों ने उस जमीन को चारागाह में नहीं किया कोई बात नहीं। बिलानाम जमीन है आप लोगों ने ले ली। हमारा कोई अधिकार नहीं है। लेकिन उसके नीचे पूरा पदमपुरा है साहब वो जमीन जो है जो भी आप करोगे मतलब फेक्ट्री वहां लगाओगे पूरा मल–मूत्र, पानी–वानी, मिट्टी डस्ट वगैरह सब पूरा पदमपुरा में जाएगा। पूरे पदमपुरा में साहब कोई जमीन उपजाउ लायक नहीं रहेगी । पानी बिल्कुल ही नहीं रहेगा। पानी है ही नहीं ज्यों खदाने खोद चुके हो । पानी की मात्रा बिल्कुल रहेगी ही नहीं उसके लिए कैसे क्या है। रोजगार की बात कर रहे है साहब। रोजगार आज प्रजेन्ट की बात करूं मैं बिछावाडा मन्देरिया में सोचों आप यह जमीन जहां प्रजेन्ट में लगी हुई है गिने–चुने लोग आपने ले रखे है, जिसकी पहुंच है उनको आपने नौकरी दे रखी है बाकी हम जैसे लोग तो उदयपुर जा रहे है और वापस आ रहे है साहब। जो गिने–चुने जो लोग हैउन्हीं को आपने नौकरी दे रखी है बाकी किसी को नहीं दी साहब। यह नौकरी रोजगार की बात कर रहे हो। बहुत–बहुत धन्यवाद साहब।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

यह जो लीज क्षेत्र में आपके कोई अगर जैसे आपको प्लान्टेशन तो आपको अभी करना ही है। कुछ अगर ऐसा एरिया हो जहां प्लान्टेशन आलरेडी कर रखा है उसको छोड़ सकते है माईनिंग में क्यो यूज करें उसको। भाई जैसे इनका भी जैसा काम हो जाएगा इनको जैसे पशु चरने की जगह है भाई आपका भी हो जाएगा। प्रोडक्शन में आपका इनक्ल्युड हो जाएगा। उसको अगर अपन छोड़ दे तो इनका भी काम हो जाएगा। भई हर आपको हर ऐरिया में थोडे ही माईनिंग करनी है कोई तो जो कुछ ऐसे एरिए हो ना एक बार इनसे मिलकर एक बार यह देख ले कुछ ऐसे कौन–कौन ऐरिए है जहां पूरा हरा–भरा है इनके पशु चरते है। उस ऐरिए को आप छोड़ दे। हर पूरे ऐरिए में तो आपको माईनिंग करनी नहीं है।

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

श्री शांतिलाल गाडरी, ग्रामवासी :–

सर 90 प्रतिशत यहां के लोग गडरियाजाति से भी है और पशुपालन करते है क्या उनके लिए आपकी योजना क्या क्या है बताइए। हमारे को नौकरी नहीं चाहिए सर। मैं M.Sc. हूँ मैं यहां चित्तोड़गढ में नौकरी करता हूँ क्योंकि आप लोगों ने हमे रोजगार नहीं दिया लेकिन हमारे पशु पालकों के लिए आपने क्या किया वो बताईए। जसपुरा, गुपड़ी, मन्देरिया अधिकतर यहां के लोग कम पढे–लिखे है और यातो वो गाय–भैस बकरी ऐसे पालकर दूध बेचकर अपने घर का काम चलाते है, उनके लिए आपकी क्या योजना है और गुपड़ी पंचायत में जितने भी प्रभावित गांव है उसमें सेकण्ड नम्बर जसपुरा गांव आता है। प्रथम मन्देरिया – सेकण्ड जसपुरा आता है। सर जसपुरा में वर्तमान में आपने कितने लोगों को रोजगार दिया जाएगा और अभी कितना दिया गया है वो आप सामने बताइए फिर नेक्सट बात करेंगे सर।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

इसका आईडिया दो कितना आप करोंगे जो।

श्री हितेष सुखवाल, महाप्रबंधक (पर्यावरण), उदयपुर सीमेन्ट वर्क्स लि. उदयपुर :–

सर देखिए। यह जो आज जनसुनवाई है यह प्रस्तावित परियोजना जो सरकार द्वारा ई–नीलामी के माध्यम से मिली है उसकी है ओर यहां जो हमारी वर्तमान में संचालित माईन्स है या प्लान्ट है वहां आप लोगों के बीच में ही आपकी सहभागिता से ही हमने यहां जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रोजगार दिया हुआ है।

श्री शांतिलाल गाडरी, ग्रामवासी :–

नहीं सर, रोजगार है ही नहीं। आप सामने रखो जसपुरा में कितने को रोजगार दिया।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

बोलने दीजिए इनको बोलने दीजिए आपका भी नम्बर आएगा। एक बार इनकी बोलने दीजिए।

श्री हितेष सुखवाल, महाप्रबंधक (पर्यावरण), उदयपुर सीमेन्ट वर्क्स लि. उदयपुर :–

और प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला हुआ है, दिया है ओर देने की कोशिश कर रहे है और इसके साथ–साथ जो सीएसआर यानि कि जो सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से जो कौशल विकास का हमने किया है।

श्री शांतिलाल गाडरी, ग्रामवासी :–

सर रिजल्ट जीरो है सर।

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

सर माफी चाहूंगा मैं बीच में बोल रहा हूँ। सर जीएम सर बिराजे हुए है। मेरा एक क्वश्चन है इनसे कि सार्वजनिक रूप से भी मेरा सवाल है । हमने और हमारे क्षेत्र की जनता ने पिछली बार इनको अवगत कराया था पानी की जो समस्या है उस पर हमने इनको सजेस्ट किया था कि माईनिंग तो हमारे क्षेत्र में हो रहा है। खनन हमारे यहां हो रहा है । खड्डा हमारे यहां खुद रहा है और पानी दूसरी पंचायतों को पाईप लाईन से सप्लाई दी जा रही है और वो भी पहले पतला पाईप था अब उसको मोटा कर दिया गया यानि कि पानी का बहाव क्षेत्र जो है उसको बढ़ा दिया गया है। ऐसाक्यू ? पानी का निदान हो सकता है लेकिन करने की मन्शा भी होनी चाहिए। मतलब हमारा सीधा सा इन्टेन्स यह है कि जसपुरा, मन्देरिया बिछावेड़ा 3 गांव मुख्य प्रभावित है। खनन हमारे ही इन गांवों में हो रहा है तो हमारा जो पानी है हमारे क्षेत्र को दिया जाए क्यू नहीं देते है हमें ये पानी। देना चाहिए ना। भई पानी वहां क्यू भेज रहे है पाईप सप्लाई से । पिछली बार भी तो इस पर बात हुई थी।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

इस बारे में आप बताईए । जी.एम. साहब आप थोड़ा बताएंग इस पर। जो इनकी बातें जायज है। इनको पानी की जरूरत है तो इनको पानी सप्लाई करके होना चाहिए।

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

यह मेरी बात नहीं है यह हमारे क्षेत्र की बात है । हमारे तीन गांवों की बात है। मेरा सवाल नहीं है। सवाल हमारे क्षेत्र का है। हमारे तीन गांवों का है, जसपुरा, मन्देरिया, बिछावेड़ा। खनन हमारे यहां हो रहा है, पानी यहां भरा हुआ है। खड्डा यहा खुद रहा है। भविष्य में जो हमें दुष्प्रभाव झेलने पड़ेगे वो हमारे क्षेत्र के तीन गांवों को झेलना है मुख्य रूप से तो यहां का पानी दूसरी पंचायतों में वहां पहुंचाने का क्या तात्पर्य है, हमें उपलब्ध कराए ना। हमने मांगा है इनसे पानी, नहीं क्यू नहीं मांगा है। जैसा वाटर लाईन जो पाईप सप्लाई दिया गया है वैसा हमारे तीन गांवों को छोड़ दिया जाए।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

यह तो इनकी बात–मांग बिल्कुल जायज है। अगर आपने नहीं कर रखा है तो प्रायोरिटी पर इसको करिए। ये इनकी तो बिल्कुल जायज मांग है।

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

दूसरा हमारे जोधसिंह जी पदमपुरा जो वर्तमान वार्ड पंच है पंचायत में। उप सरंपच भी है तो इनका यूं कहना था कि हमारे जो पशुधन है, हम किसान है तो वास्तव में हम किसान है। दुधारु पशु रखते है। गाय–बैल–बकरी इनका पालन करके गुजारा कर रहे है है। अभी इन महोदय ने बोला है। तो मेरा ये

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

अनुरोध है कि जैसे इन्होंने एक बात बोली थी आप इनसे कह रहे थे जबकि इश्यु इनका नहीं है। इनका यूं कहना था कि जो क्रेशर पोईन्ट लगे हुए है भई अभी जो नया रिको डेवलप हुआ है जहां कुछ ये लगे हुए है वहां से जो डस्ट उड़ रही है मिट्‌टी उससे उनको नुकसान हो रहा है तो यह चीज तो नोटिस करके उन लोगों के सम्बन्ध में था जबकि आपका सवाल इनसे बन रहा था। ठीक है। दूसरा यह था कि हमारी जो माईन्से है माईनिंग ऐरिया मार्बल की जो माईन्से है । लगभग आपके रिकॉर्ड के अन्दर 30–35–40 माईन्से होगी लेकिन जीवित माईन्से है जो मुश्किल से 8–10 ऐसी होगी तो उनमें जो बारिश का पानी भरता है और उस समय इनको बारिश के दिनों में पानी की ज्यादा जरूरत नहीं होती तो ये क्या करते है उस पानी को बाहर छोड़ते है तो सीधा सा वह नाला पदमपुरा में जाता है तो उसके बीच में एक एनिकट भी है जिसके लिए मैंने कहा था कि पहले एक संस्था आई थी जिसने सर्वे कराया था किसके माध्यम से हुआ मुझे नहीं पता लेकिन वो लोग सर्वे पर आए थे मैं भी उनके साथ में था उन्होंने जगह–जगह एनिकट नोट किए थे कितने–कितने ऐनिकट है क्या उनका भरावक्षेत्र है कितना डेमेज है ऐसा तो फिर उसकी रिपयेरिंग हुई थी लेकिन सर प्रोपर रुप से काम नहीं हुआ। मटेरियल की क्वालिटी ठीक नहीं थी अब वो पानी तो उसमें भरा लेकिन वो पानी सीधा रीस करके इनके आपके जैसे खेतों में हमारे किसानों के यहां चला आया तो अब न तो वहा गेहूं हो रहे है न मक्की।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

इसके बारे में पूरी जानकारी जैसा यह बता रहे है इसका लिखित में दे। आगे बात करेंगे हम।

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

सर। हम लिखित में दे देगे लेकिन सर आपका ऑडियों भी रिकॉर्ड हो रहा है विडियो भी रिकॉर्ड हो रहा है। इन चीजों को भी संबंधित डिपार्टमेन्ट को आप फोरवर्ड कर सकते है।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

बिल्कुल करेंगे, बिल्कुल करेंगे। आप दीजिए तभी तो करेंगे।

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

और हम आपसे सिर्फ एक अनुरोध कर रहे है कि डीएमएफटी फण्ड जो हमारा है वो मुख्य सिस्टम में औद्योगिक क्षेत्र का प्रधान – अप्रधान खनिज सिस्टम का तो डीएमएफटी के अन्दर एक ऑटो सिस्टम बना हुआ है आप पूछिए सीमेन्ट फेक्ट्री वालो से, रिको वालो से कि आपका औसतन प्रतिनिधि per यूनिट जैसे कि बना हुआ जैसे कि तीन पारी बनी हुई है तो प्रति पारी के अन्दर कितना प्रोडक्शन होता है आप डीएमएफटी फण्ड के अन्दर कितना परसेन्ट कटता है प्रतिटन वो आपको भी पता है। इनको भीपता है। कितना पैसा per day उस खाते में जमा हो रहा है आप उसके हमें आकड़े दीजिए और हमें यह बताईए

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

कि डीएमएफटी तो ये कह रहा है, रूल तो यह कह रहा है साहब कि प्रभावित जो इलाके है वहांपर हम खर्च करेंगे लेकिन खर्च कौन कर रहा है, करवाता कौन है, हो किधर रहा है। खर्च बताईए।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

इसमें आपने कभी कोई माईनिंग डिपार्टमेंट से बात करी है क्या।

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

किससे करेंगे। पिछली बार पूरा गांव उठ करके आपके कलक्टर साहब के पास आया। पहुंचा था ना। सर, पेपर की कटिंग दिखा देते है, हम लोगों की फोटो दिखा देते है प्रुफ चाहिए तो। बताईए कितना सुना गया हमें, कितना समझा गया। हम एक बात को लेकर आ रहे। हो सकता हम यहां एजुकेशन का स्टेण्डर्ड लो है या हम कम पढे–लिखे हो सकते है। हमें नॉलेज नहीं है कानून का, सिस्टम का लेकिन आप तो समझदार है सर। आप तो पढे लिखे हो। आप तो बडे पद पर बैठे हुए हो तो आप हमें समझाओ सर। हमारे कहने में भूल हो रही है लेकिन आप हमारी बात को पकड़ जाओ। मेरा तो यू कहना है कि सर शिक्षा, चिकित्सा, बिजली ये जो चीजे है सर डीएमएफटी इसमें लग जाएगी न तो हमारा गांव तो वैसे ही चमन हो जाएगा। हमारे हक को लूटा जारहा है। बन्दर–बाट की जा रही है। अब यहां पर यह किया जा रहा है। सर रोजगार में हमारा 40 प्रतिशत आप 60 : 40 का रेशो बनाओं हमारा नियम वैसे तो सर यह कहता है कि 60 प्रतिशत स्थानीय लोगों को और 40 प्रतिशत बाहरी लोगों को मौका दिया जाए है ना। लेकिन मैं तो यूं कह रहा हूँ कि सर आप इसको उल्टा कर दीजिए आप में तो यह कह रहा हूँ। इसको उल्टी कर दो आप। हमें 60 प्रतिशत में मत रखो आप 40 प्रतिशत में रखो लेकिन 40 प्रतिशत में भीतो आप तय करों ना कि हम कितने है हम लोग पदमपुरा हुआ, बिछेवाडा हुआ, मन्देरिया हुआ, जसपुरा हुआ, हरियाव आ गया।लेकिन सर एक चीज ओर है । लीज एरिये के अन्दर चारागाह जो भूमि थी, पंचायत ने आवंटन करी थी संरक्षित भूमि चारागाह भूमि सर। उस चारागाह भूमि का हमें अल्टीमेटम कोई जगह तो बताईए कि सर आपके पशुधन यहां चरेंगे–विचरण करेंगे उसका ऑप्शन क्या होगा वो भी आप तय कराईए।

श्री दौलतसिंह राठौड़, ग्राम–मन्देरिया :–

सर, पूरी माईनिंग ऐरिया मन्देरिया में आता है लेकिन अभी जो टोपिक है मेन जो हरियाव की लीज है। मेन जो हरियाव है। हम तो यह चाहते है कि सबसे पहले हरियाव के स्थानीय लोगों को एक तो रोजगार मिलना चाहिए, स्थानीय लोगों को जो नुकसान उठा रहा है उसको रोजगार मिलना चाहिए। एक डीएमएफटी का फण्डवो जैसे मन्देरिया है, हरियाव है सबसे पहले डवपलमेंट वो होना चाहिए और कम्पनी वालो से मैं यह भी कह रहा हूँ कि जो पानी की समस्या है जिस गांव में पानी जो लीज ऐरिया आता है उसमें सबसे पहले पानी उपलब्ध किया जाए जैसे फ्लोराईड कह रहे है सीएसआर फण्ड से वो भी टंकिया

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

वगैरह इनसे निजात दिलाई जाए और वास्तविक जो नुकसान हो रहा है वह ग्रामीण को बहक दिलाया जाए। इससे ज्यादा मैं नहीं बोलूंगा।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

डीएमएफटी फण्ड की बात हो रही है इसमें एडीएम साहब ने कह दिया था कि कलक्टर साहबको परसनली अवगत कराएंगे इस बारे में।

श्री दौलतसिंह राठौड़, ग्राम–मन्देरिया :–

ब्लास्टिंग का जो भी हो रहा है। डस्ट उड़ रही है ब्लास्टिंग में जो भी डस्ट है और ब्लास्टिंग का जो भी नुकसान है वास्तविक मुआवजा इन काश्तकारों को दिया जाए।

श्री गोपाल तेली, निवासी जसपुरा ग्राम पंचायत गुपड़ीः–

चार साल पहले हमारे ग्राम सभा हुई। ग्राम सभा में हमने जनप्रतिनधिपंचायत के ग्रामवासियों ने एक बात रखी हमारी रोड बनीथी दरोली से मन्देरिया जसपुरा होकर रॉयल्टी नाका और वो रोड़यहां गुपड़ी तक भी आई। वो चार साल पहले की बात है। हमने प्रस्ताव भेजा था कि सीमेन्ट फेक्ट्री वालो को कि इस रोड़ के दोनों तरफ ट्री गार्ड पेड़ लगाए जाए और पूरी पंचायत में जो सरकारी भवन है जो पंचायत में पूरे ट्री गार्ड पेड़ लगाए जाए । अभी इन्होंने पांच पेड़ भी ऐसेनहीं लगाए है कि बता सके कि ये पेड़ हमने लगाए। पंचायत ने भी पेड़ लगाए है, ये बाहर लगाए है ये सब लग रहे है, दिख रहे है लेकिन पंचायत मेंऐसे पेड कोई नहीं लगाए। रही बात यह है आबादी क्षेत्र। मन्देरिया पूरा आबादी है। आबादी पर लीज मुक्त की जाए तो पंचायत से हम पट्टा जारी करवा सके। अब वहां तो कोई खनन हो नहीं रही। हेण्ड पम्प सुख चुके है। कुए पूरे सूख चुके है। यह पानी की समस्या हे ही है। बेरोजगारी की समस्या वो भी है ही है लेकिन मेन समस्या पर्यावरण है और पर्यावरण के मामले में इन्होंने अभी तक कुछ नहीं किया मेरे हिसाब से तो ऐसा कोई पेड़ ही नहीं है जो ये पेड़ बता सके कि यह पांच साल पुराना पेड है या चार साल पुराना पेड़ है। पूरी पंचायत में। और अभी जो नयी नयी फेक्ट्रिएं। जो यें।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

ये कौनसी पंचायत की बात कर रहे है।

श्री गोपाल तेली, निवासी जसपुरा ग्राम पंचायत गुपड़ीः–

यह गुपड़ी पंचायत की बात कर रहा हूँ।अभी जो नयी नयी सीमेंट फेक्ट्री वालो ने बिजली लाईन जसपुरा स्कूल से ले गए थे तो इन्होंने लाईन ले जाने के कारण कम से कम मेरे हिसाब से 300–350 पेड़ इन्होंने काटे। अभी जसपुरा में हम जाकर देखकर आए अभी जसपुरा में लेटेस्ट 5 दिन पहले एक नीम का

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

पेड़ काटा है और बिजली विभाग द्वारा इनके कारण ही कटे है पेड़ तो क्योंकि फेक्ट्री लाईन ले जा रही इसी कारण कटे पेड़ । तब ये पेड़ कट रहे पर पेड़ लगा नहीं रहे।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

यह वाला जो बता रहा है जो भी ऐरिया आप बता रहे है प्लान्टेशन वगैरह का पालन नहीं कर रखा है।

श्री हितेष सुखवाल, महाप्रबंधक (पर्यावरण), उदयपुर सीमेन्ट वर्क्स लि. उदयपुर :–

प्लान्टेशन कर रखा है सर।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

नहीं जैसे ये तो बता रहे है एक भी पेड नहीं है इस तरह का । प्लान्टेशन में तो आपकी तरफ से बिल्कुल भी प्रोब्लम नहीं होनी चाहिए।

श्री शांतिलाल गाडरी, ग्रामवासी :–

सर, फोटों मंगालोनी सर इनके पास कुछ ऐसा आईडियल दस्तावेज है बता दो।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

इन्होंने नहीं लगा रखे है आपकी बात मान ली है। वो तो नहीं लगा रहे है। जहां जहां ये बताए प्लान्टेशन तो पूरा करो इसको। ओर जो पेड़ आप काट रहे हो –ऐसा कोई है तो मतलब इस तरहका कोई बताए जो लाईन गयी है उसमें पेड़ कटे जो ।

श्री शांतिलाल गाडरी, ग्रामवासी :–

कटे जिसके फोटो है मेरे पास। स्कूल में काटा पेड़। सर स्कूल सामने से लाईन जाती है ग्रामीण इसका विरोध करते है डबोक की पुलिस आती है हमें गिरफ्तार करती है। सबसे पहले व्यक्ति मैं खड़ा होता हूॅ मेरे को ये डराते–धमकाते है। यह कोई बात थोड़े हुई क्या। पुलिस प्रशासन भी बैठा है आप बात करों उनसे। ग्रामीण गलत कर रहे है क्या विद्यालय के बच्चे मर जाएंगे। आज पूरा विद्यालय के लगभग 100–150 बच्चे बैठते है अगर बिजली का तार गिरता है तो सारे मर जाएंगे । आप कहा जाओगे। हम कहां जाएंगे। सबसे पहले आपकी जिम्मेदारी बनती है न सर।

श्री भंवरसिंह चुण्डावत ग्रामवासी :–

आदरणीय एडीएम साहब। क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी जी। समस्त मेरी पंचायत से पधारे हुए ग्रामवासी। बुजुर्ग, माताओं एवं बहिनो। आदरणीय एडीएम साहब। मैं वर्तमान में पंचायत समिति मेम्बर हूॅ यहां का। मेरी पंचायत और पास ही पंचायत गुपड़ी और नान्दवेल का। आदरणीय हम आपसे निवेदनकरना चाहते है कि हमारे को कोई नयी लीज और नया पट्टा चाहिए ही नहीं। हम सब इसके खिलाफ है क्योंकि

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

इस नई लीज से हमारा कोई फायदा होने वाला नहीं है। ना तो हमारे को8–10 हजार रुपये का कोई रोजगार चाहिए। माईनिंग की जो रेट होती है वह एक ड्राईवर की रेट होती है एक लेबर की रेट हो रही वो ये लोग नही दे पा रहे है और बड़ी दादागिरी से ये लोग माईन्स चलाते है। विकास के नाम पर सीएसआर के नाम पर एक भी कोई **UCWL** का कोई अच्छा काम जैसे कोई हिन्दुस्तान जिंक करती है वैसा बता दो आप। एक सोलर पनघट के 10 – 2 कट्टे दे देते है । किसी का घर अगर थोड़ी सी दरार आ जाए तो 2 कट्टे दे देते है 2 कट्टे में कुछ होता है क्या। आदमी 20 से 30 लाख रुपए लगाकर मकान बनाता है। ऐसे हमारे हजारों मकान टूटे। पूरी पंचायत हमारी माईन्सों की चपेट में । अपन जो बैठे है खाली यह क्षेत्र बचा है और एक मेरा चौहानों का गुड़ा बचा है। वो भीलगता है धीरे–धीरे धूल–मिट्टी उधर से भी वो रिको आ गया तो वो हम भी। पर्यावरण के नाम पर सीएसआर के नाम पर आप जो एनओसी देते हो तो सीएसआर के नाम पर एक भी ये चीज फोलो नहीं करते। जैसे हरियाव में हमारे माईन्सें है डम्फर को, ट्रेलर को ढक के ले जानापड़ता है। ओवर लोड नहीं ले जा सकते है। ओवर लोड लेजाते है ये लोग। पानी की वेने हमारे कटचुकी है अभी फरवरी माह में हमारा पानी सुख चुका है।हमारेको माईन्स लीज इसलिए चाहिए नहीं हमारे को कि यह पर्यावरण ही नहीं रहेगा, जब पानी नहीं रहेगा तो हम रोजगार का क्या करेंगे। रोड़ों का क्या करेंगे। हमारे को तो है जैसे का जैसा हमारे को रहने दो। और हो सके तो जो चल रहा है जिसको भी बन्द करा दो।10 हजार–12 हजार का रोजगार लेकर के क्या करेंगे हम। हमारे को हर कोई दे देगा। हम खेती में कमा लेंगे। सीएसआर केनाम पर पर्यावरण के नाम पर कोई एक भी चीज ये फोलो करते है तो बता दो। आदरणीय क्षेत्रीय अधिकारी जी जब इससे पूर्व सुनवाई थी। मैने आपको अवगत कराया था आपको मैने वो जसपुरा की सारीवो बतायी थी फेक्ट्रियां वो फेक्ट्रियां अगर वैध होती तो जब वो माईनिंग का अभियानचला रहा था तो वो बन्द पड़ी नहीं रहती। एक क्रेशर है वहां पर ओपन जिससे बिचारे हजारों बीघा जमीन आदरणीयवो बतारहे थे वो क्रेशर खुला छोड़ दिया उसने उससे वो डस्ट उड़–उड़ कर उड़–उड कर उनके पशुओं के चारे पर जम गयी। रोजगार की बात आप कर रहे हो तो अभी तो ये बड़े नमस्ते–नमस्ते कररहे है।हम इनके ऑफिस में जाते कभी इन्होंने जनप्रतिनिधियों से चर्चा नहीं की। कितने टाईम से ये लोग माईन्स चला रहे। पानी सही ढंग सेनहीं दे पाए क्या पर्यावरणक्या फोलो करेंगे। हम तो बस इसके बिल्कुल खिलाफ है। हमारे को आगे कोई नयी लीज चाहिए नहीं। हमारे को हमारे हाल में रहने दो। पहले सेहम चारों तरफ से चपेट में है 33 के करीब कोई माईन्से रनिंग थी वहां हरियाव में ऐसे करके कुछ अभी चल रही है। ऐसे करके एक खड्डा बना के जो एक घनमीटर उससे 5–5 गुणा एक्सट्रा खोद दिया उन्होंने। **UCWL** वाले है ये तो बड़े लोग है अब इनके उपर से उपर सब सेटिंगें है ये हमारे को तो गांठते ही नहीं है। अब इनकी माईनिंग तो हम चेक ही नहीं करा सकते बाहर पुलिस खड़ी रहतीहै। इनके लाखों की तादाद में गार्ड रहते है। आदरणीय इनको मैनेजर साहब को हजारों लोगों को हमने बहुत बड़ा धरना भी कियाथा। ये किशन सिंह जी दाता है एक साल से मेरे सामने रोए नहीं है

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

खाली हाथ जोड़–जोड के जोड़–जोड के सीमेन्ट फेक्ट्री वालों के थक गए। नया का नया मकान बनाया उनकी ब्लाटिंग से गिर गया नीचे। प्रेमसिंह जी है मेरे एक मन्देरिया के उनके घर से 100 मीटर दूर माईनिंग हो रही है। आपका अगर बंगला है उससे 100मीटर दूर कोई माईनिंग करेगा दिन में 3 बार और बड़े धमाके के साथ आप रह पाएंगे वहां पर। डीएमएफटी का पैसातो चलो सरकार के नॉर्म्स बना रखा है पर फिर भी हमारे को एक मिट्टी हम खाते, धूल हम खाते, पानी हमारा जारहा है। हवा हमारी दूषित हो रही है और डीएमएफटी का पैसा दूसरी विधानसभाओं में जा रहा है तो कम से कम ऐसा रेशों तो बनना चाहिए सरकार ने कोई नॉर्म्स बनाया है 80 प्रतिशततो हमारे इधर आना चाहिए। और UCWL का कहीं बता दो ना आप एक जाली एक ट्री गार्ड नहीं लगा सके आप। और आपके साथ मैने इनके मैनेजर को सीएसआर के मैनेजर को फोन भी लगावायाथा उस दिनजसपुरा अपन वो फेक्ट्रियां देखने गए थे फोन लगवाया था। इन्होंने लगाया क्या ? आपके कहने पर भी लगाया ? रोजगार किनको देते है। रोजगार देते जिनकी सिफारिश चलती है। नेताओं की।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

प्लान्टेशन वगैरह मैने कहा था ना इनको। आपसे बात भी करवायी थी। उसके बाद में क्या हुआ था।

श्री भंवरसिंह चुण्डावत ग्रामवासी :–

कुछ नहीं हुआ। ये एक ट्री गार्ड नहींलगा सकते ये लोग।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

आप इसको अर्जेन्ट में लोआप इसको बिल्कुल सीरियस लो।

श्री भंवरसिंह चुण्डावत ग्रामवासी :–

हमारे को कोई साहब अर्जेन्ट नहीं है। हम हमारे हाल में रहने दो। हम जिसमें है उसमें खुश है। 10–12 हजार की न तो हमारे कोनौकरी चाहिए। आप गारण्टी लोगे कि हमारी हवा–पानी खराब नहीं करोगे। आप तो इसको बिना किसी दबाव द्वेष में इस विडियो को एडिटिंग करकेनहीं भेजे। पिछली बार भी जब दरोली में जनसुनवाई थी तो आपकी कम्पनी के लोगों से ही मैंने सुना यह तो एक फोरमिलिटीज है।फोरमिलिटीज है, आपके बीबी बच्चे है अगर आपको भगवान को जवाब देना पड़ेगा। आप फोरमिलिटिज करते हो। यह कोई तरीका है क्या। यह हमारे को विडियो कॉपी यह विडियो की इसकी क्लिप आप हमारे को बकायदा उपलब्ध कराऐ।

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

जो सूचना का अधिकार होता है आपको उसका शायद पूरा आईडिया है। तो इसमें आप जो बोल रहे हो।

श्री भंवरसिंह चुण्डावत ग्रामवासी :–

नहीं उस समय अपने बात हुई कि हम पूरे विडियो की क्लिपिंग दे देगे।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

विडियोंकी क्लिपिंग भी मिलेगी आपको। आरटीआई के अन्दर विडियों की क्लिपिंग भी एलाउड है। और एक–एक लाईनजो आप बोल रहे है वो पूरी ऐसी की ऐसी लिखी जाएगी आप उसकी चिन्ता मत करिए। आपके यहां से जो भी आप लोग बोल रहे है ना आपकी कोई एडिटिंग नहीं होगी। कुछ भी नहीं होगा। इसलिए मैं बार–बार कह रहा हूँ एक–एक करके बोलिए ताकि हम क्लीयरली उसको लिख सके क्योंकि अगर थोड़ा सा 3–4 जने एक साथ बोलते है तो थोड़ी प्रोब्लम आती है। लेकिन अभी शांतिपूर्वक है बिल्कुल सही जाएगी।

श्री भंवरसिंह चुण्डावत ग्रामवासी :–

हमारे जो मन्देरिया में जो आबादी है उसको लीज में कर दिया। लीज तो बाद में हुई आबादी वर्षों पुरानी है। बिचारे लोग पट्टे नहीं ले पाते है। अगर पट्टा लेकर, बिचारे को कोई पट्टा मिल जाएगा पंचायत से और कोई मेरा भाई कोई बुजुर्ग अगर उस पट्टे पर अगर कोई लोन लेगा । उसके बेटा–बेटी की शादी है ऐसे कई लोगों के फोन आते है हमारे को पट्टा दिला दो साहब । कैसे दिलाए पट्टा। हमारे स्कूलों के लिए जमीन नहीं। मजावड़ा पंचायत में स्कूल के लिए जमीन नहीं। हमारी पूरी पंचायत इस चपेट में । अपन जो बैठे है ना वो गांव खाली बस बचा हुआ है वो भी अभी थोड़ी देर में धमाका होने वाला है।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

सीमेंट से यह बात आई कि आपके जो प्लान्टेशन का प्रोग्राम करते है आप लोग इसकी इन्फोरमेशन भी देते है कि इतना कर रखा है – इतना कर रखा है। किस गांव में कर रखा है।

श्री भंवरसिंह चुण्डावत ग्रामवासी :–

सीएसाआर के नाम पर एक परसेन्ट भी कुछ नहीं है। 10 कट्टे ये लोग वहां से देते है ना तो 5 तो इनके बिचोलिए खा जाते है बीच में और सीएसआर के नामपर गाड़ी चला रखी है सरकारी अस्पताल, वो लोग इधर उधर घूमते है। सरकारी तो हमारे यहां पीएचसी बनी हुई है। उप स्वास्थ्य केन्द्र बना हुआ है। हमारे को फ्री में वैसे ही मिल रही है दवाईयां। अरे तुम एक सोलर पनघट तो लगा दो 10.00 लाख रुपए की। बरसो से एक पानी का नल, पानी नहीं दे पाए क्या सीएसआर की बात करते हो । बार–बार

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

सुनवाई होती है और उपर लेवल पर पतानहीं क्या हो जाता है। बार–बार लीज आगे बढ़ जाती है और ये चलते रहते है और हमारे से दादागिरी से बात करते। कभी जनप्रतिनिधियों के साथ इन्होंने चर्चा की क्या? कैसे विकास कराए, कैसे रोड़ मेप हो। 5 कट्टे से काम हो जाता है। मकान बन जाता 5 कट्टे से। वो भी बिचोलिए खा जाते है साहब और इतने लोग परेशान है प्रेमसिंह जी के वहां माईन्स चल रही हैतो उसके 100 मीटरहेवी–हेवी ब्लास्टिंग करते है और बिचारे को 8 से 10 बार पुलिस पकड़ कर ले गयी और शर्त रखते है। जमीने हड़प लेते।जमीने कैसे हड़पते। चार भाईयों की जमीन है चार भाईयों की जमीन है उसको एक भाई से रजिस्ट्री करवा लेतेफिर उसके वहां पर दादागिरी से बाउन्ड्री बनवाते है। तेरी भी दे दे जमीन। यह कोई तरीका है। हम भी इन्सान है साहब। आपतो बस यह करो (किसी को लीज चाहिए क्या?)हम हमारे हाल में खुश है और हो सके तो यह है जो बन्द कर दो दुकानदारी 50 आदमी है क्या करें। मेरे को जबरदस्ती नौकरी रखे 30 हजार तो मे नहीं रहूं उसमें मि्ट्टि खाने के लिए, मरने के लिए कौन जाएगा वहां खड्डे में। हमारे जो पशु है । खड्डे खोद देते पशु गिर जाते । हरियाव में यही हालत है। जो आपने कभी जाकर चेक किया। एक बार अमरसिंह जी और हम वहां गए थे माईनिंग ऑफिस में आपके जो अधिकारी है क्या नाम था मीणा जी करके तो उन्होंने बोला बिचारे माईन्स वाले धरती धन है जितना मिलेगा उतना खोदेंगे। यह कोई नार्म्स होता है। धरती धन खोदेंगे जितना मिलेगा 90 मीटर जो भी आपका नॉर्म्स है वैसे खोदेंगे। ओवर लोड डम्पर चल रहे है भन्नाट चल रहे है हमारा कोई न कोई बच्चा नौजवान युवा जैसे कल एक नपाणिया में दुर्घटना हुई उसकी शादी हुई 6 महीने हुए उसकी Death हो गयी डम्पर के नीचे आक के उसके बीबी बच्चों को अपन लालन पालन कर सकते है ? हमारे को बस आगे कुछ सुनवाई नहीं चाहिए। हमें हमारे को आप बक्श दो। और बार–बार जनसुनवाई के लिए मत आओ और अगर आप ईश्वर को मानते हो ईश्वर को जवाब देना है तो यह है जो दुकानदारी बन्द करके इनको भगाओ। हमारे को कोई रोजगार नहीं चाहिए। चाहिए ही नहीं 8–10 हजार का । मुझे जबरदस्ती दे 30–40 हजार नौकरी करने नहीं जाउ और मेरे भाई को भी नहीं भेजू। ये तो सारे मिले हुए है ऊपर से नीचे तक मिले हुए है कोई काम नहीं करता है कोई अंगूठा लेकर नौकरी करके आ जाता है बिचारे Main जो आदमी है वो लोग परेशान हो रहे उनको 10 हजार रुपये तनख्वाह दे रहे है। कोई नॉर्म्स तो होना चाहिए। हमें बस हमारा जो यह वातावरण है इसको as a condition पर छोड़ दो ताकि हमारे पास थौड़ा कुछ बचा है उसको हम जीवन यापन कर लेंगे। यही निवेदन है आपसे धन्यवाद।

श्री केसूलाल ग्रामवासी :–

पहले तो मैं यह परिचय लूंगा आप कौन पधारे है ताकि हम असलियत बता सके। समस्या यह है कि साहब इन चोरो की हकीकत में 1968 से जानता हूँ। 1968 में यह प्लान्ट पड़ा उस समय मैं 16 साल का था और इस माईन्स में नौकरी लगा और ब्लास्टर की पोस्ट पर मै 32 साल तक इस माईन्स में काम

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

किया। और इन चोरों की क्या कण्डीशन है आज ब्लास्टिंग करते है देख लेता है अगर गांव वाले इसका कोई विवाद करेंगे तो उसकी रिपोर्ट नहीं भरवाते है देख लेते है जब माहौल शान्त हो जाता है दूसरी date में डलवाते है ताकि अगर वह केस भी करें तो आगे वो फर्जी माना जाएगा और आज यू काम की बात कर रहे है। इनके पास ब्लास्टिंग का पूरा स्टॉफ नहीं है और एक ब्लास्टर हमारे यहां का लोकल महेन्द्र सिंह जसपुरा का आलरेडी डिप्लोमा पास है उसको ये चान्स नहीं दे रहे है तो दूसरों को क्या देंगे। पूछलो इनको कि इनका ब्लास्टिंग का पुरा स्टॉफ है क्या। कितने ब्लास्टर है इनके पास । इनका रोज का प्रोडक्शन कितना इसके हिसाब से कितने ब्लास्टर चाहिए इनको।

श्री के.पी. सिंह, उपाध्यक्ष–खनन :–

सभी को नमस्कार । सभी को बोलने का अधिकार है । बहुत अच्छा आप लोग सब अपनी अपनी बाते रख रहे हो पर जो डीजेएमएस के नॉर्म्स है डीजेएमएस के नॉर्म्स के अनुसार ब्लास्टिंग के लिए जो लोग चाहिए और जो बेस्ट टेक्नोलोजी चाहिए वो माईन्स में। मैं बात कर रहा हूँ दरोली लाईम स्टोन माईन्स की उसमें use हो रही है वरना आज की तारीख में DGMS एक दिन माईन्स नहीं चलने देगी। हो सकता है आपकी बात पुराने परिप्रेक्ष्य में सही हो यह मैं नहीं कह सकता कि आप गलत है, पर जो DGMS जो किCentral Government की रेगुलेटरी बॉडी है। ब्लास्टिंग के लिए उसकी हर चीज फोलो होता है।

श्री केसूलाल ग्रामवासी :–

ये रोजगार की बातें कर रहे है बाहर के आदमी रख रहे है ड्राईवरमें वगैरह और यहां का लोकल आदमी जाता है तो उसकी कोई सुनवाई नहीं करते है। कोई भी सुनवाई नहीं।

श्री के.पी. सिंह, उपाध्यक्ष–खनन :–

यह बात आपकी सही है पूरे एरिया में यदि टोटल देखा जाए मन्देरिया और बिछावाड़ा सब मिलाकर कम से कम 30 से 40 हजार जनता है । अब या तो बहस कर लो 5 हजार होगी 10 हजार होगी। मुझे एक्सजेटली नहीं पता पर।

श्री केसूलाल ग्रामवासी :–

सर ये जेब से पैसा नहीं लगा रहे है ये सरकार का लोन लेकर लगा रहे है 400 करोड़ रुपिया का इन्होंने फर्स्ट प्लान्ट लगाया था उस समय विश्व बैंक से लिया था ठीक है और 400 करोड़ रूपया ऑटोमेटिक मशीने आएगी– मेन पॉवर को कम करना। हिन्दुस्तान जिंक वीआरएस दे रहा है। साल का तीन माह का पेमेंट देता है और यहां एक रुपया नहीं दिया 400 मजदूरों को निकाला, एक रुपया नहीं दिया और उसको बन्द कर दिया घाटे में जा रही है और यहां का प्रोडक्शन सिरोही से निकाला । उदयपुर सीमेंट का प्रोडक्शन सिरोही से निकाला। यहां प्लान्ट बन्द कर रखा। कागजों में प्लान्ट बन्द नहीं है।

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

इन्होंने मिलकरके यहां का प्रोडक्शन सिरोही से निकाला और मजदूरों को एक रुपया नहीं दिया। न तो उनकीग्रेज्युटी दी और न उनको वीआरएस दिया। कुछ नहीं दिया। उसके बाद 800 करोड़ रुपये उन्होंने और लोन लिया विश्वबैंक से और अभी जो प्लान्ट चला रहे है 800 करोड़ लोन लेकर चला रहे है और मजदूरों का पैसा खा गए न तो ग्रेज्युटी दिया न उनका पेमेन्ट बनता वो दिया। ये दूसरों को क्या देंगे ये।

श्री शांतिलाल गाडरी, ग्रामवासी :–

सर हमारी आधारभूत सुविधा होती है। रोटी जो हम लोग खेतों से लेते है। वो खेतों से।

श्री केसूलाल ग्रामवासी :–

एक मिनिट सर यह आपके पास में पीछे स्कूल है यहां पानी की व्यवस्था नहीं है। यहां से बच्चे दो किलोमीटर जाकर पानी की बोलत लेकर आते है 20/– रुपए देके।

श्री शांतिलाल गाडरी, ग्रामवासी :–

रोटी जो आधारभूत सुविधा है आप सब की। रोटी के बिना कोई जी सकता है क्या तो आपके खेतों में अनाज ही नहीं उगेगा तो आप क्या करोगे। यह सीमेंट फेक्ट्री की लीजे होती रहेगी आपके खेतों में अनाज ही नहीं उगेगा तो आप क्या खाओंगे। दूसरी बात आ रही है मकान की। आपके मकान ही नहीं रहेंगे तो आप रहोंगे कहा। और तीसरी बात आती है रोजगार की। रोजगार में आप साहब कितने साल हो गए साहबआपको रोजगार यहां पर करते हुए –आप भी एक नौकर हो ।कितने साल हो गए साहब ।आपने कितना सर्वे किया जसपुरा, गुपड़ी, मन्देरिया सबमें 40000 जनता है कैसे बता रहे आप साहब। आप तो एक कम्पनी के मैनेजर हो ना साहब । मैं तो कम्पनी का एक एम्पलोयी हूँ। मैं बता सकता हूँ किस लोकेशन पर कितने लोग है। गुपड़ी में 3200–3400 इसके आस पास लोग होंगे। हर पंचायत में 5000 से ज्यादा लोग नहीं है। तीन पंचायतों मे 15000 लोग होंगे। कैसे कह रहे हो आप और रोजगार किन–किन को दिया। कितने ड्राईवरों को दिया है आपने उनके क्या हाल चाल है । हम सब जानते है ।रोजगार की बात करते है। हमें रोजगार नहीं चाहिए। हमारे को रोटी चाहिए। हमारे खेत सही रहे उनमें अनाज उगाएंगे तो हम खा पाएंगे । हमारे मा बाप दादा दादी जिन्दे रहे सीमेंट फेक्ट्री तो बाद में आयी लेकिन हम रोटी गाय भेस बकरी उन्हीं जंगलों में चराते थे। उन्हीं खेतों में रोटी उगाकर अन्न और धन उगाकरके वहीं से कमा करके खाते थे लेकिन उस समय हम हष्ट पुष्ट थे आज इन सीमेंट फेक्टियों में नौकरी कर करके साहब लास्ट का जो पैसा होता है में खर्च करते है ।ये बात करते है सीएसआर की। सीएसआर में कौन सा मॉडल बनाया आपने बताओ। कोई सा रोल मॉडल है इस एरिया में । किस गांव में सीएसआर ने अच्छा काम किया। बताईए सर ।ग्रामीणों बताओं आपको। ये खड्डे हुए है बस यह बताया जा रहा है। इसलिए मैं अपनी बात को यही विराम दूंगा। आगे की कार्यवाही आप करे और साहब एक बात आखिर में कह कर जाता हूँ अगर

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

सीमेंट फेक्टरी की अगली लीज हुई तो खेजरी वाला जो काण्ड हुआ था पहले तो हमारी गर्दनें काट देना इन ग्रामीणों की फिर आगे लीज दे देना आप। अब शादी में जाना थोड़ा वापस आउंगा।

श्री गोपालसिंह राणावत निवासी ग्राम पंचायत गुपड़ीः–

और बहुत दुख होता है कि अभी सर बता रहे है कि फेक्ट्री 135 साल से इस क्षेत्र में काम कर रही है। मैं मानता हूँ कि 135 साल में आपने ऐसा कोई काम नहीं किया जो इस जनता के सामने आप बात कर सके। यदि आप काम करते तो आपके साथ में इस तरह की बातें लोग नहीं करते। चले वो बातें विकास से संबंधित है हम कोई भीख मंगे नहीं है। हमें कोई विकास की जरुरत आप लोगों से हम आशा नहीं करते कि आप से हमें चाहिए । हम काम करते है हमारे काम के बल पर हम काम करने का प्रयास करते है। हमारे परिवार को चलाते पालते–पोषते सबकुछ करतेहै। हमें किसी प्रकार की भिक्षा नहीं चाहिए। हमने ये कर दिया न वो कर दिया, ये बातें अनपढ़ आदमी को भोले आदमी को बताना आप। हम पर्यावरण की बात कर रहे है। पर्यावरण के आपके पास आकड़े होंगे। हमारी स्थिति आज क्या है। आज मेरे खेत से यदि 2 बीघे से 12 क्विंटल गेहू निकलते तो आपका प्लान्ट चलने के बाद भी 5 साल बाद भी 12 क्विंटल गेहू निकलने चाहिए। यदि नहीं निकलते है तो उसके जिम्मेदार आप है। आपकी डस्ट आती है हमारी खेती को खराब करती है जिससे वो गेहूं खराब हो रहे है। हमें आपकी भिक्षा की जरूरत नहीं है। हमें नहीं चाहिए। हमारा पानी आज यदि 50 मीटर नीचे पानी हैतो आज के 5 साल बाद भी 50 मीटर नीचे पानी रहना चाहिए। 100 फीट नीचे नहीं जाना चाहिए। हमें नहीं चाहिए आपकी भिक्षा। आप कह दो आप कह रहे है लोगों को ले लेंगे ले लेंगे। आपने 135 साल राज करने के बाद में हमारे यहां जो बच्चों को आप ट्रेनिंग नहीं दे सकते। आप एक ब्लास्टर नहीं बना सकते हमारे ऐरिए से 135 साल से काम कर रहे हो कुछ है ही नहीं । आप हमारे ऐरिए को आप ठगना चाहते हो। पत्थर चाहिए पत्थर निकाल लो जहां आपकी मर्जी हो वहां से निकाल लो। मैं आपसे पूछना चाहता हूँ कि आप 94 हैक्टर आप जमीन ले रहे हो उसकी किस्म क्या है, बताईए मुझे । कितनी जमीन बिलानाम की है, कितनी चरनोट की है, कितनी आबादी की आप ले रहे हो। बताओ जवाब दो भैया।

श्री हितेष सुखवाल, महाप्रबंधक (पर्यावरण), उदयपुर सीमेन्ट वर्क्स लि. उदयपुर :–

जो 94.62 हेक्टर है उसमें लगभग 75 हेक्टर जो है वो है प्राईवेट और 15.5 हेक्टर जो है वो सरकारी है। 3.07 जो है वो चारागाह है।

श्री गोपालसिंह राणावत निवासी ग्राम पंचायत गुपड़ीः–

भैया मैं यह नहीं पूछ रहा हूँ मैं पूछ रहा हूँआबादी कितनी है।बिलानाम की कितनीहै और हमारे खातेदारी की कितनी है।

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

श्री हितेष सुखवाल, महाप्रबंधक (पर्यावरण), उदयपुर सीमेन्ट वर्क्स लि. उदयपुर :–

देखिए अभी हमको सिर्फ LOI मिला है।

श्री गोपालसिंह राणावत निवासी ग्राम पंचायत गुपड़ीः–

फिर इस पर कोई चर्चा करने की जरूरत नही। आपको जानकारी नहीं है हमारी कितनीजमीन है। हमारी जो जमीन है आबादी है बिलानाम है।हमारे को किसी को जमीन की जरूरत हैनिकट भविष्यमें इसका हम ध्यान रखे। हमारे गांव में आज से 50 साल के बाद कॉलेज बनेगा तो मेरे को उस कॉलेज के लिए 25 बीघा जमीन चाहिए 50 साल बाद 25 बीघा जमीन मैं कहां से लाउंगा भैया पहले ही आप ले लोगे हमारे को हमारी जितनी आवश्यकता है उतनी जमीन हमारी सुरक्षित होनी चाहिए उसके बाद अगर जमीन बचती हैतो इनको आप दे दो। हमारे को जमीन की जरूरत पड़ेगी नहीं पड़ेगी। आज हमारे यहां स्कूल बना दिया हमने बच्चों को खेलने के लिए जमीन नहीं है, कहा जाएंगे हम। इसी तरह से हमारी सभी जमीन पर आपने लगादी आपकी लीज। अब हमारे मकान बने हुए आबादी में बने हुए है आबादी के पट्टे लेनेजाते है तो मिलते ही नहीं क्योंकि आपने लीज लगा दी और अब नयी लीज देना चाहते हो आप तो हमारी जितनी आबादी की जमीन है वह सुरक्षित रहनी चाहिए । रहनी चाहिए के नहीं रहनी चाहिए । निकट भविष्य में होस्पिटल बनेगी तो उसके लिए जितनी जमीन चाहिए वो सुरक्षित रहनी चाहिए के नहीं चाहिए। आपको तो दिख रही है कि इस एरिये में 94 हेक्टर जमीन है वो सारी हम ले ले । भाई क्यों ले लोगे आप। आप राजस्व दे रहे हो इसका मतलब यह थोड़ी हमारा गला घोट लोगे। आपको जितनी जमीन दे रखी है उस पर आपका माईनिंग का काम हो गया क्या सारा । भाई इनका भी सीरियल होना चाहिए। एक सीरियल में चले यहां सोना मिल रहा आपने निकाल दिया वहां पर ताम्बा निकल रहा उसको छोड़ दिया आगे सोना वहां पर चले गए क्यों भाई एक सीरियल से चलो ना आपको माईन्स चलानी है तो मन्देरिया से आपको जसपुरा आने की कहा जरूरत है, कहा जरूरत है बताओ–बताओ। कलक्टर साहब मेरी बात वाजिब है क्या जितनी हमारी जमीन है उस जमीन में निकट भविष्य में हमें जरूरत है उतनी जमीन हमें चाहिए। हमारे आज दस साल पहले हम 1000 लोग थे आज 2000 लोग हो गए। आज से 10 साल पहले हमारे पास 1 सीनियर सेकण्डरी स्कूल थी। आज हमारे यहां 2 सीनियर सैकण्डरी स्कूल हो गयी। 4 सेकण्डरी हो गयी। हर गांव में 8वीं तक स्कूल हो गयी तो हमारे को जमीन की जरूरत पड़ेगी या नहीं पड़ेगी। निकट भविष्य में पड़ेगी। अभी भी जरूरत है और निकट भविष्य में पड़ेगी या नहीं पड़ेगी। तो वो जमीन तो हमारी सुरक्षित रहनी चाहिए। माना कि आपके हरियाव में ज्यादा जमीन है बिलानाम की जमीन ज्यादा है। मेरे इधर चरनोट की ज्यादा है –हम चेंज कैसे करेंगे। इस चरनोट को बिलानाम बनाएंगे उसको करेंगे तो किससे करेंगे। चरनोट कम तो नहीं कर पाएंगे। तो हम चेंज करेंगे कैसे। हमारे पास जमीन ही नहीं है कैसे काम चलेगा। हमारे जितनी जमीन है उतनी हमें जरूरत है उस जमीन को आप छोड़ दो हमारे लिए

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

सुरक्षित कर दो उसके बाद जमती है इनको दे दो हमें कोई आपत्ति नहीं। भाई हमारी जो जमीन है उसमें से देने के लिए हम सहमत नहीं है। पहले आपके पासपूरी जानकारी होनी चाहिए भाई इतनीजमीन हमें चाहिए। इतनी आपको चाहिए वो दे दो। हम तो यह कर देंगे आपके न वो कर देंगे अर भाई क्यों कर दोगे आपको कहा करने की जरूरत है। कर तो रहे हो आप हमनें देखे थे पहले हमारा क्या था और आज क्या है । पहले हमारी गाय जाती थी चरने के बाद कुछ खिलाने की जरूरत नहीं आती थी। वो आती उसका 5 लीटर दुध निकाल देते थे। आज हम वाटो भी दा कपासिया भी दातो वा गाय आवेगा वन्डो दुध निकलेगा या नहीं पतो नहीं क्योंकि वह धुलोखावे जो कटु वे वण्डे। पहले कपास्या खवावा री गायों ने जरूरत नहीं थी । इतनी बढिया घास थी हमारे यहा की। आपरी अणी डस्ट ऊं तो वो थोड़ी चलेगा। पहले हमारे अटे पपीता लागती बढिया–बढिया वी पपीता कटे लागरी आजकल लागी नी रिया। सर प्लीज इतने आम थे हमारे यहां पर फेमस थे हमारे यहां के आम केरिया लगती थी और आज एक केरी नी लागे वी दोषी ई माईन्स वाला धूलो उड़े आम्बा मातेजाईन देखों एकी माते मोड़ कोनी वेगा तो धूरो उड़ेगा हिलाने पर। ई यू किरिया मा तो धूरो नी उड़े जो पाणी को छिटकाव कर रखयो। कटे कर रखयो मां देखी आवा कटे लगाई रखयो माणे अटे पाणी रो कटे है आपरी माईन्स में कटे है। मां पाणी छाटा वतईरा अटे। मा तो कम भणिया थका है पाणी रो। हां हां है क्या हो तो बताओ जाए अभी देख कर आ जाए। क्यों झूठ बोलते हो। आपको पैसे मिलते ठीक है काम करने के पैसे मिलते झूठ बोलने के लिए ज्यादा देते पैसे क्या। आपने अभी बताया था यह डस्ट वगैरह उड़ती है हमारी कम्पनी ने हमने व्यवस्था कर रखी है वो पानी के फव्वारे लगा रखे। भैया मैंने तो कहीनहीं देखे मैं इसी धूल में उड़ता घूमता हूँ। कही फव्वारे लगे हुए नहीं है आपके माईन्स में मेन माईन्स भी लगे हुए नहीं है हो तो बता दो हम भी देखकर आ जाए। हम देख तो ले कम से कम कि मिट्‌टी उड़ती है उसको रोकने के लिए यह सुविधा है कही है बता दो। पूछो इनसे हो तो बताए।

श्री हितेष सुखवाल, महाप्रबंधक (पर्यावरण), उदयपुर सीमेन्ट वर्क्स लि. उदयपुर :–

मैं यह विनती अनुरोध करना चाह रहा हूँ जो हम चर्चा कर रहे है वह प्रस्तावित परियोजना राजस्थान राज्य सरकार द्वारा ई नीलामी में दी गयी है।

श्री गोपालसिंह राणावत निवासी ग्राम पंचायत गुपड़ीः–

135 सालसे उसे आप चला रहे है उसमें आपने सुविधा नहीं दी आपने तो मैं क्या आशा करू कि आप इसमें दोगे। मैं तो यह कहता हूँकि इसको तो लीज देना ही नहीं चाहिए किसी नय ग्रुप को दो ताकि दोनों में कम्पीटीशन चलेगा तो वह हमारी अच्छी सेवा करेगा वो सेवा नहीं कर रहा मै सेवा करूं लोग मेरे साथ में रहेगे । तुलना होनी चाहिए तो तब मजा आएगा तो दो व्यापारी होगे व्यापार करने वाले तो वो अच्छा मिलेगा माल।

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

श्री हितेष सुखवाल, महाप्रबंधक (पर्यावरण), उदयपुर सीमेन्ट वर्क्स लि. उदयपुर :–

नीलामी के अन्दर ही हमको आवंटित हुई है। यह व्यापारियोंको नीलामी आवंटनहोता है उसमें मिला।

श्री गोपालसिंह राणावत निवासी ग्राम पंचायत गुपड़ी:–

तो हमारी कहां आवश्यकता है। आपकी नीलामी है तो आप करो। हम तो सब नेगेटिव है। हम कह रहे है नहीं देनी चाहिए । हमारी कहा जरूरत फिर हमारा क्यों टाईम खराब किया। आपकी नीलामीमें ले ली आपने पैसे लगा दिए जो लगाने थे आपका टेन्डर हो गया आप खोदो आपकी मर्जी हो जो कर फिर हमारी कहा जरूरत है। हम तो भगवान पर विश्वास करते है। ऐसा नहीं चलेगा भैया। ऐसा नहीं चलेगा।अभी कितनी लीज है 94 उस पर माईनिंग होगी क्या पूरे पर अभी 200 हेक्टर की है प्रजेन्ट में । उसमें माईनिंग नहीं हुई तोआपको उसमें ओर लेने की क्या जरूरत।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

ठीक है। आपकी बात जो बोल रहे है आगे हम कन्वे कर रहे है मतलब जो भी वार्तालाप हो रहा है कन्वे होगी आप जो चाहे बोले आप फ्री है क्योंकि आपकी बात को हम गलत नहीं ठहरारहे है किसी बात को।

श्री गोपालसिंह राणावत निवासी ग्राम पंचायत गुपड़ी:–

मैं तो यही चाहता हूँ आप इनको जमीन दो हमारे को कोई आपत्ति नहीं। लेकिन हमारे को निकट भविष्यमें जितनी जमीन की जरूरत है वो हमारी जमीन सुरक्षित रहनी चाहिए फिर हम एलोटमेंट करने जाए जब आपकी लीज हो और डण्डे ले के पुलिस वालो को लेकर आ जाओगे कि यह तो मेरी लीज है इसमें तो आप आ ही नही सकते हो। अभी हम हमारे पट्टे नहीं दे पा रहे है। आपने हमारे पुराने रास्ते थे सारे बन्द कर दिए। नई में भी आप ले रहे हो उसमें रास्ता जो भी हो क्लीयर होना चाहिए कि यह इनका गांव में जाने का रास्ता अभी प्रजेन्ट में है ओर निकट भविष्य में भी यह रास्ता रहेगा उसमें भी रास्ते पर आपकी लीज नहीं होनी चाहिए। पूरे ब्लॉक पर लीज दे दी बीच में हमारी जमीन नहीं है।बीच में रास्ते भी है हमारे ऐनिकट वगैरह वो भी है वो सब सुरक्षित रहने चाहिए और उसके बाद में हमें कोई आपत्ति नहीं।

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

सर, बीच में जी एम सर बोले थे या तो तुम लड़ लो बहस कर लो या फिर मैं बोलू। ऐसा बोले ऐसा इनका एक शब्द आया था।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

किसी शब्द को हम पकड़ेंगे नहीं। आप जो कहना चाहे वो कहिए आप ।

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

मैं किसी शब्द को नहीं पकड़ रहा हूँ लेकिन शब्द के उपर बात लाना चाह रहा हूँ। न तो यहा लड़ने की बात है न बहस करने की बात है।सर एक बाउजी थे इन्होंने बोला था कि महेन्द्रसिंह करके ब्लास्टर है जिसके पास डिग्री भी है उसने सारे मापदण्ड पूरे किए क्या वह कम्पनी में लगने का अधिकारी नहीं है। कब से काम कर रहा है तो उनको नियुक्ति क्यों नहीं दे रहे है। उनकोनौकरी क्यों नहीं दे रहे है। और एक रणजीतसिंह है वह भी ब्लास्टर है लोंग समय से कर रहे है काम तो क्या। इन लोग।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

अगर लोकल जैसे जो ये बता रहे है ना क्वालीफाईड परसन है तो इनको लगाया जाए।

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

उनको लगाने में कहा दिक्कत है। सिस्टम में ले न ले ताकि उनको भी लगे कि हम कही अच्छी जगह कामकर रहे है। नम्बर 2 जो ड्राईवर है। ड्राईवर सर आप एक्चुअल देखोगे तो पतानहीं कहा–कहा से ड्राईवर यहा नौकरी कर रहे है क्यों कर रहे है। सर हमारे पता है हमारा एजुकेशन स्टेण्डर्ड लो है। हम कम पढे–लिखे है। हमारे क्षेत्र में शिक्षा की कमी है तो हम मैनेजर नहीं बन सकते। हम बाबू नहीं बन सकते कोई बात नहीं लेकिन ड्राईवर तो बन सकते है। लोईसेन्स तो है हमारे पास तो हमारे स्थानीय लोगों को ड्राईवरी में नौकरी तो दे।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

आप है ना एक सूची बनाकर।

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

सर सूची बना करके दे रखी है। मेरा जो सीमेन्ट फेक्ट्री का नौ सौ हैक्टर लीज है 1968 में बजाज आया जेके आया फिर UCWL हो गया लेकिन मेरी जानकारी में जो है वह यह है कि मैने 40 लोगों का नाम दिया था और वह भी लीज लेण्ड ऐरिया के प्रोपर लोगों का दिया था कही आजु–बाजु के नहीं दिए उनमें से बहुत सारे ड्राईवर थे । आज भी उन लोगों को रोजगार कीइतनी सख्तजरूरत है वो पता नहीं कहा जाकर परेशान हो रहे है तो ड्राईवर के लिए क्या है। ड्राईवर तो ड्राईवर है।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

लोकल को तो प्रायोरिटी आपको देनी पड़ेगी।

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

अब बात यह है कि सर लड़ाई इस बात की हो रही है कि हम तुम्हारे यहा खोदेंगे तब नौकरी देंगे। सर थोड़ा सा आप सुनना कि मै। जो कहना चाह रहा हूँ कि इनके एक शब्द आता है कि हम जब

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

खोदेंगे तब नौकरी देंगे। जब खोदोगे तब नौकरी दोगे तो खोदने से पहले आप अपना काम पक्का क्यों कर रहे हो। हमारी जमीन है, मेरी नही तो मेरे पिताजी की दादाजी की। मेरे पास ज्यादा नी तो हमारे परिवार की 100 बीघे जमीन है। कितनी 100 बीघे 100 बीघ के अन्दर जो पत्थर है वह A+ ग्रेड का है। ठीक है हमने लेब टेस्ट कराया। हम भी एक माईन्स लगा सकते है उस माईन्स को लगाने के लिए संसाधन हमारे पास नहीं हो सकते। पूंजी हमारे पास नहीं हो सकती लेकिन धरती धन तो है। हम किसी पूंजीपति को पकड़कर कह सकते है कि भैया तुम मशीनरी डालो मुनाफे का 40 प्रतिशत देना क्या हम लाखों रुपए नहीं कमा सकते। कमा सकते है न सर। लेकिन हम उस पर इसलिए नहीं कर पाते कि आलरेडी उस पर लीज हो चुका है। लीज दे दी है तो जब हमारे हक के उपर आप जरूरत से पहले कब्जा मारकर बैठ गए तो हम तो वंचित रह गए सर।अब जबहम वंचित है तो क्या नौकरी का हकनहीं बनता है। तो मेरा यू कहना है सर हमारी उस क्वालिटी पर मत जाए कि आपके पास क्या डिग्री है डिप्लोमा 50 तरह के सवाल पूछे जाते है।इससे बेहतर यह है कि आप रोजगार को सुनिश्चित कराने के लिए यह देखा जाए कि कोई कमी है तो चलेगा लेकिन ड्राईवर तो है। लाईसेन्स तो है भैया इस क्षेत्र का है भैया नौकरी पर आ जाओ। सर यहां पर कुछ मैं कहना नहीं चाहूंगा । लेकिन बाहरी नेताओं का दबाव, दूसरे क्षेत्र के नेताओं का दबाव। उन दबाव के चलते स्थानीय जो ड्राईवर वो भी नौकरी के लिए धक्के खाता है। क्युं। मेरा जो कहना है कि हमें इससे फायदा है प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष तो आप नौकरी।

श्री रघुवीर सिंह चौहान, ग्रामवासी :–

जी.एम साहब आप है अभी। शुभ नाम फरमाए आपका। सर, मैं छोटा सा एक आपसे क्वशचन करना चाह रहा हूँ कि आप खाली सबका कुल मिला के एक ही सार है उसका कि आप हमारे लोकेलिटी को क्या प्रोयोरिटी देना चाह रहे हो सबसे पहले यह बात बताए कितने जने को आप यहां से नौकरी रख सकते हो और जो गांव से 10जने एक बन्दे के लिए बोले हां उसको रखलो तो उसको रखना पर आप कितने को रख सकते हो। पहले वो बताएं

श्री आशीष शर्मा, महाप्रबन्धक, उदयपुर सीमेन्ट वर्क्स लि. उदयपुर :–

सभी को मेरा नमस्कार। पहले मैं आपको कुछ नम्बर्स बता दू। काफी लोगों ने पहले पूछा कि हमने कितने लोगों को यहां रोजगार दे रखा है तो लगभग–लगभग 200 के आसपास जो हमारी रनिंग माईन्स है जो अभी चल रही है करीब उसमें हमारे पास करीब 200–220 लोग काम करते है जिसमें हमारा क्रशर और माईनिंग एरिया दोनों आता है। अगर हम उसके अन्दर बात करें तो वल्लभनगर कान्सटीटयुन्सी से करीब हमने 150 लोगों को यहां से रोजगार दे रखा है। उसके बाद ये नम्बर है हमारे पास 150 से ज्यादा लोग और मन्देरिया, गुपड़ा, बिछावाडा, मजावड़ा की अगर मैं बात करू तो 70 लोगों के आस–पास जो है। लोगों को यहां से रोजगार दे रखा है। यानि कि इन आधी जनता इन चार गांव के नाम बोले है यहां पर

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

ऐरिया बताया जो मैंने जो आपको मन्देरिया गूपड़ा, बिछावाड़ा एवं मजावड़ा इसमें हमने इनको रोजगार दे रखा है ये लोग जिनका मेरे पास नाम है डिटेल्स है मैं उनकी बात कर रहा हूँ।अब हम बात करते है कि आने वाले टाईम पर हम क्या करेंगे तो हमारे हितेश जीने आपको बताया कि करीब 61 के आसपास हमारे पास प्रस्तावित है कि इतना एम्पलोयमेन्ट हमकरेंगे तो जब भी हमारी यह माईन्स चालू होगी उसमें योग्यता अनुसार लोगों को जो है रोजगार दिया जाएगा। जो उनकी योग्यता होगी उसके हिसाब से हम ये रोजगार देंगे। एक तो चीज यह हो गयी। दूसरा कुछ लोगों ने सीएसआर के बारे में भी पूछा तो आलरेडी जोहरियाव जो ऐरिया जिसमें अभी हमारा माईनिंग के लिए हमने रखी है हीयरिंग उसमें जो आंगनवड़ी है आंगनवाड़ी में हमने आलरेडी वहां पर हमनें काम किया है EVEN हमने वहां पर जो पानी की मोटर है वह भी वहां पर लगवाईहै। और मन्देरियाभी जो है पास में उसमें भी हमने आंगनवाड़ी में काम करवाया है। ये दोनों चीजे हमारी पिछले कुछ महीनों में हुई है। यह मैं आपको बता सकता हूँ।

श्री रघुवीर सिंह चौहान, ग्रामवासी :–

सर, आपकी बात काटना चाह रहा हूँ आप सीएसआर पर आज आ गए है। हमारे पास में ही हिन्दुस्तान जिंक है। आपको तो हमसे ज्यादा पता है और हमारे यहां से है एम्पलोयमेंट भी है। तो उसके ऐरिया में नहीं आ रहा है वहां भी विकास करा रहा है। आपने एक भी आर.ओ. लगाया क्या येबताओ। आपकेजो सीएसआर फण्ड इतना आ रहा है हमारे यहां माईनिंग से कहीं पर भीएक आरओ लगाया हो तो बता दो आप। ठीक है उसके बाद आपने कहींपर स्कूल में ऐसा काम दिखता हुआ हो बताओ आप कह रहे हो मोटरडाल दी। मोटर तोहमारेपंचायत से भी डाल देते – ठीक है। ऐसा कही आपने ऐसे पेड़ लगाए और मेरी पूरी पंचायत में आप यू बता दो मैने 100 पेड़ लगाए जो उनको मैंने अच्छे से चलाए, यह बता दो । इतने साले से कह रहे हो 125 से 100 साल से जो भी लीज है या 50 साल से है। आप बताएं आप आपके माईनिंग लीज जो ऐरिया है उसमें जाना पाण्डु माता साईड–साईड में दोनों तरफ नीम के जो पौधे लग रहे है वो केवल 5–6 साल के है 7 साल के है गोपाल जी यही 7–8 साल के है उनकी दशा देखना और आपकी कम्पनीको पूछना खाली उस पेड़ से जवाब मांगना कि अगर हमारी कम्पनी वाले कोई अच्छे अधिकारी अगर आता और 10 पौधा भी लगाता तो कम से कम वो भी सांस आराम सेले सकता यहा पर। ठीक है सर। और अच्छा काम कराओ सीएसआर फण्ड में इतना पैसा आ रहा है जहां जिस बिचारे जिसको मार रहे हो उसके घर वाले को कुछ नहीं दे रहे हो। आप यहां सीएसआर का फण्ड लेकर जाकर के चित्तोड़ में दे रहे हो आप ले जाकर वहां कोटड़ा में वहां डाल रहे हो। दूसरी जगह डाल रहे हो। डीएमएफटी में मान लो। आपकी माईन्स जो–जो पैसा आ रहा है आप इस पर ध्यान दे बाकी ठीक है ये सर यहां लोकेलिटी के लोगों पर आप इतना काम यहां से जो ले रहे हो रिटर्न तो दो ना उसका कुछ–न–कुछ। बाकी बिचारे श्री अजीत सिंह जी है ऐसे बहुत से बच्चे है जो है आपके यहां काम कर है।

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

कितने साल से काम कर रहे है । ये रणजीतसिंह जी है ब्लास्टिंग करते है सब जने है आप परमानेन्ट क्यों नहीं करते इनको। या जो भी एबिलिटी रखता है उनको परमानेन्ट करों ना। कम्पनी के थ्रु इनको रखो फिर बार–बार माईन्स में आए दिन बन्द होता रहता है। जो ऐबिलिटी रखता है केपेबल है उसको करों आप । बाकी सर आए है सर जानते है मेरे को जो भी आएंगे बस हमारी भाषण सुनकर चले जाएंगे अपनी बात का ऐसा कुछ नहीं है। ओर ये रखे तो ठीक । आप लोग इतने यहां आए इसके खाली 50 जने आ जाना मेरे साथ ये फेक्ट्री चला के बता दे।

श्री दौलत सिंह, ग्रामवासी :–

आज कह रहा हूँ मन्देरिया में–मन्देरिया में अभी भी बेरोजगार है । कोई ड्राईवर है, कोई ऑपरेटर है कोई डिप्लोमाधारी है। अगर सब बाहर की पंचायत वाले अगर मांग करेंगे नौकरी लगाने का तो हमारी मन्देरिया गांव का क्या होगा साहब। स्थानीय पहले मैं यह मुद्दा उठाउ कि स्थानीय, स्थानीय मेरे बेरोजगार है उसको सबसे पहले रोजगार दिया जाए। उसके अलावा 40 परसेन्ट जो भी आजु–बाजु के गांव वाले उसको पहले दे और सबसे पहले ये दुबारा और रिप्लाई कर रहा हूँ मैं एक तो पानी की समस्या है । एक हमारी डीएमएफटी की जो भी समस्या है। और जो फसले खराब हो रही है और किसी के मकान फट गए ये जायज है। और कलक्टर साहब से मैं कहता हूँ आप उचित मुआवजा दिलाया जावे मकान वालो को भी। फट गये इनको। ये तो ठीक है। एक खाका आपकी तरफ से भी तैयार करों कि जिसका वास्तविक नुकसान हो रहा हे उसको नुकसान दिया जाए। बाकी हम इण्डस्टी के खिलाफ नही है। इण्डस्ट्री आएगी तो लोगो को रोजगार भी मिलेगा और मिलेगा तो स्थानीय लोगों को ज्यादा देने की कोशिश करें । बस। बाते तो बहुत ज्यादा होती है साहब। लेकिन रोजगार का मुद्दा भी है। रोजगार वास्तव में मिलना चाहिए। अगर इण्डस्टी नहीं होगी तो उदयपुर भी जाना पडेगा, चित्तोड़ भी जाना पड़ेगा। और आउट ऑफ कन्टरी भी जाना पड़ेगा – रोजगार के लिए।

श्री मेघवाल ग्रामवासी :–

आज पन्द्रह दिन हुए। 15 दिन के पहले ब्लास्टिंग हुआ है। मेरी मां रोटी खाई री उपर से छत से जो प्लास्तर गिरा मां माथे में गिर कर थाली में पड़ा ।अभी वा रो रही है। ओर सालवी साहब ओर कोई साहब आया जो फोटो लेइन गया और बाई रे माथा माथे हाथ फेरिया आज वा वेण्डी वेईगी। कणी पूछियों मने आईन। और मेरा एक हाथ है यह । कैसे पालन करता हूँ मैं। अभी तक मेरी सुनवाई नहीं हुई है अभी तक। और वा मरीगी तो माइन्स में गालुंगा यह चेलेंज देकर जा रहा हूं।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

इस तरह की माईनिंग की ब्लास्टिंग कम्पलेन्ट होती है उसको किस तरह करते हो उसको फोलो।

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

श्री राणावत निवासी ग्राम पंचायत गुपड़ीः–

सर, अभी जो सार निकल रहा है। मोटा सार यही है कि लोकल जो लोग है उनको अगर रोजगार नहीं दोगे तो यह समस्या बहुत ज्यादा होगी और एक बहुत बड़ी बीमारी पैदा हो जाएगी। अब जो आप बता रहे हो हमाराजो प्लान्टेशन करेंगे उसमें 61 आदमी हमारा लेंगे। आप क्या गारण्टी दे रहे हो कि हमारे आदमी ही लोगे हमारे ऐरिये के। उसके लिए आप क्या कटिबद्ध हो। सर बताए।

श्री मेघवाल, ग्रामवासी –ः

मारा छोरा हाथ जोडिरिया। अणा एक छोरा को नोकरी नहीं लगायो। छोरा जाईन पगे पड़ी र्‌या। चार दिन पहले मु पगे पड़ियो। मारो बाप भी भाटा फोड़तो। मैं भी भाटा फोडिरियो हूँ नौकरी कंडे चाई री। क्यू नी मली री नौकरी मैं मेघवाल हूँ जु।

श्री मीणा, सरपंच ग्राम पंचायत, शिशवीः–

मैं यही कहना चाहता हूँ कियह सीमेंट वर्क्स लिमिटेड जो अपनी लीज हो रही है मेरा क्षेत्र है जो टीएसपी के अन्दर आता है। यह सीमेंट वर्क्स लिमिटेड है इसके खुद की पंचायत का विकास नहीं करवा पा रही है। पेड़–पौधे पर्यावरण नहीं करवा रही है। हमारे पूर्वज यानि हमारे दादा–दादीभी कहते थे कि जब ये फेक्ट्रियां नहीं थी तब अपने यहां का पर्यावरण पेड़–पौधेकितने अच्छे थे और हरे–भरे थे चलते थे। ओर अब यह स्थितिहो गयी कि मेरे पंचायत के अन्दरइस पंचायत की ओर ही ध्यान दे रहे हो। मेरी पंचायत के अन्दर यह स्थिति है कि जनजाति क्षेत्र की पंचायत आती है। पहले तो मेरी पंचायत की जो जमीन ग्राम पंचायत राजस्व ग्राम पदमपुरा की है उसकी प्रतिलिपि हमें उपलब्ध करवाई जावे और मैं यही कहना चाहता हूँ कि इस पंचायत का विकास । हमारी आस–पास की पंचायतों का कितना नुकसान हो रहा है इससे। अभी खेतों में पिलाने के लिए लोगों को टेंकर से व्यवस्था करनी पड़ती है। ग्राम पंचायत के अन्दर कोई भी योजना के अन्तर्गत विकास कार्य के लिए जो पानी की सुविधा करवाई जाती है उसमें भीपानी की समस्या ही रहती है क्योंकि इस माईन्स से इतना डीप है कि अपना कोई वजूद ही नहीं है कि काम कर रहे कि कितनी गहराई से काम कर रहे है । लोग बोल रहे है अभी ग्राम पंचायत गुपड़ी के अन्दर माईन्स है उस एरिए का इन लोगों ने बोला जहां सोना है वहा तो अपन ने खुदाई कर दी। सर आपको भी एक निवेदन करना चाहता हूँ कि 100 मीटर आपका घर हो उसके 100मीटर पास में माईन्स लग रही हो तो आपको यह पता लगेगा कि इसके अन्दर दरारे आएगी, घर टूटेगा या नहीं टूटेगा। आप भी वहां एक बार रहकर बतावे और मैं यही कहना चाहता हूँ कि इन पंचायतों के साथ मेरी ग्राम पंचायत शिशवी विशेष क्षेत्र यानि कि टीएसपी के अन्दर आती है उनका मेरे को प्रतिलिपि उपलब्ध करवाई जावे और मैरे यहां केलोगों

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

को रोजगार इनके साथ भी दिया जावे और विकास के अन्दर ग्राम पंचायत अपने यह माईन्स लिमिटेड है वो मेरी पंचायत के अन्दर भी विकास काध्यान रखे। पर मैं यह कहना चाहता हूँ कि मेरे ग्राम पंचायत केअन्दर जोमेरे को प्रतिलिपि उपलब्ध करवायी जावे टीएसपी क्षेत्र के हिसाब से आप। धन्यवाद। जय हिन्द। यही समाप्त करना चाहता हूँ।

श्री मोहनलाल डांगी ग्राम पंचायत टूस डांगियान :–

सबसे पहले यहां पर पधारे हुए कलक्टर साहब एवं ग्रामवासियों को मैं धन्यवाद देना चाहता हूँ जिन्होंने यहां पे मुझे यहां पर बोलने का मौका दिया। सबसे पहले सर कम्पनी की कोई नेगिटिवीटी भी है कोई पॉजिटीविटी बात भी है। नेगेटिविटी यह है कि युवाओं को जो योग्यता है डिग्री है उनको ये नौकरीनहीं दे रहे है और कुछ पोजिटिविटी भी है जैसे कुछ जल स्तर गिर रहा है, खनन हो रहा है से कुछ किसानों की जमीन पड़ी हुई है। पहले जिन किसानों की जमीन जो फसल उगाया करते थे माईन्स चालू होने से पहले वो अब इस खनन होने की वजह से वो जमीन पड़ी हुई है एवं कुछ पोजिटिविटी ऐसी है सर कि सीएसआर डिपार्टमेंट के अन्तर्गत। सीएसआर डिपार्टमेंट के सदस्य बैठे हुए है उन्होंने उन कुछ किसानों को कुछ बीज–कुछ सीड्स भी दिए है और कुछ ग्राम पंचायतों जैसे अपने घणोली कुछ ऐसे गांव जिनमें, इन्होंने पानी के लिए कुछ सुविधा भी की है। एजुकेशन के मामले में जो मैंने देखा जो बोल रहा हूं झूठ एक भी नही बोल रहा हू मैं देखो नेगेटिविटी बता रहा हूँ पॉजिटिविटी भी बता रहा हूँ। धन्यवाद सर।

श्री देवीलाल मेघवाल, बिछावेडाः–

मेरे को 15,000/– की सहायता आपकी कम्पनी से मिली है तो अच्छी बातहै। मगर मेरा यह मकान है वहा एक साल पहले मैंने छत डलवाई है मेरे पास पैसा नहीं है, कुछ नहीं है। मैं छोटा–मोटा घर पर धन्धा करता हूँ। पग से अपंग हूँ। मेरे पास कुछ नहीं है। रुपये 15000/– की मेरे को सहायता मिली तो मैं आपको बहुत–बहुत धन्यवाद देता हूँ । मगर छत मेरी वो हो गयी है इसके लिए आप मेरे लिए कुछ करें। यह बात भी आप मने वतावो आपरो कोई अधिकारी आवे काले आवे आप भेजी न मारी छत चेक आप सही कराओं। यह मेरे को आप वताओ। एक नौकरी मनेईलगाओतो लगाई दी जो मैं भी बिछावेडा निवासी हूँ।आपके वाते गलत वात नहीं की सकी रा।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

इनका नाम नम्बर नोट करले।

श्री जोधसिंह, ग्राम–पदमपुरा :–

आज सब लोग यहां आए जनसुनवाई रखी । हम सब लोग यहां आए। हम सब की एक ही मांग है। आप अगर वाकई में जनसुनवाई करने पधारे हो और हम सब कीजनभावना यही है कि इस लीज को

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

निरस्त कर दी जाए।हमें यहलीज नहीं चाहिए साहब और हम सबकी यही भावना कि हमें ये लीज नहीं चाहिए और चूँकि हमलोगों ने वर्तमान सरकार ने अभियान चलाया है एक पेड़ मां के नाम हम ग्राम पंचायत शिशवी के हम सब ग्रामवासी मिलकर के आपने जो लीज कर रखी है उस क्षेत्र में हम सब लोगों ने पौधे बोए है साहब, पेड़–पौधे लगाए है उन पेड़–पौधों का क्या होगा साहब अगर आप लीज करोगे आप तो। आप तो काटोगे साहब मुझको पता है फेक्ट्री लगाओगे। लीज करोगे तो क्या करोगे उसको। एक तरफ गवर्नमेंट कह रही हैकि एक पेड़ मां के नाम दूसरी तरफ आप उसकी कटाई करोगे साहब । साहब हमारी एक ही जनभावना है लीज को निरस्त कर दी जाए। हमें कोई लीजनहीं चाहिए हमें कोई फेक्ट्री वेक्ट्री नहीं चाहिए साहब।

श्रीमती देवी बाई, ग्रामवासी :–

सीएसआर के तहत हमें बहुत कुछ सुविधाए दी हुई है। हम महिलाओं को उन्होंने 15 दिन की ट्रेनिंग हमें दिलवायी थी जिनमें गाय भेसों को कैसे रखा जाता है उनका पालन–पोषण केसे करा जाता है वो हमने गाय–भैंसो पर किया भी है। क्या खिलाना – कैसे खिलाना चाहिए और वर्मीकम्पोस्ट कीबात करे तो खाद के बारे में इन्होंने हमें केचुंए देकर खाद बनवाना भी बतलाया जो हम अभी खेतोंमें हमारे खानेके लिए सब्जियां बोते है उसमें हम देते है। कुछ काम इन्होंने अच्छा भी किया है कुछ आप लोगों की समस्याएं है। बहुत कुछ बताया भी है। अब हमारी यह आशा है कि जो इनकीसमस्या है उनको आप सुने पुरी तरीके से करे। वो ही बात करने से कुछ नहीं होनेवाला जो समस्या है आप उनका बतादीजिए पूरे दिनसमस्याएं बोलोगे ऐसे तो सब की समस्या है।

श्रीमती नेहल कुंवर, गुपड़ा :–

हास्पिटल की गाडी बन्द मत करना। होस्पीटल की गाड़ी चालेगा। माणे छोटो–मोटो काम वेईरियों। लूला–पांगरा कटे जावा कटे आवा। आप सब सवारथ ने रोईरिया । मेरे को सवारथ नहीं है। सब साथी है। मारे कई सवारथ नहीं है। मारे फेक्टी ऊं मारे कणेउ कोई काम नहीं माणे तो गोली दवाई आईरी बराबर। हॉस्पिटल री गाड़ी आईरी मारी सुविधा है। आपु माणे कई लेणो देणो नहीं है। आप करीरा जो बढ़िया वी रीयो। ठीक है।

श्रीमती भगवती बाई, ग्रामवासी :–

हॉस्पिटल की गाड़ी आती है तब काफी लोगों की भीड़ होतीहै। दवाई की जरूरतनहीं तो वहां भीड़ क्यों लगाते हो। हॉस्पिटल जाकर ले आओ । कई ऐसे लोग है जो अपनी मां के लिए दवाई नहीं ले के आते।

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

श्री रघुवीर सिंह :–

सभी गांवों से बहुत सारे भाईयों ने अपनी–अपनी समस्याएं बताई है तो मैं तो आपको यही कहना चाह रहा हूँ कि सभी की बातों को सुनने के बाद निष्कर्ष यही निकलता है कि मेन तो आपका डीएमएफटी, सीएसआर ओर जो पानी की समस्या है । रोजगार और जो माईनिंग क्षेत्र मेंजो उनके 5 बीघा की लीज है वो वह 10 बीघा पर खनन कर रहे है। इसका भी एक मार्किन्ग करवायी जावे। और इसका पूरी मिटिंग का निर्णय–निष्कर्ष एक ही चीज निकल रही है कि जो आप यह नई दुकानदारी खोलना चाह रहे हो ना। पहले जो 5–6 समस्या बताई आपको इन समस्या पर आप समय ले लीजिए 3–4–5 महीने उन पर पूरा काम किया जाए। उन समस्याओं का निराकरण किया जाए और 5–6 माह के बाद यह वापस आपकी जनसभा वापस रखी जाए में आप यह जन सुनवाई की जाए और उसमें आप एनओसी ले। 5–6 माह का समय ले और 5–6 समस्या है उनका निराकरण करें और फिर आप यह नयी दुकानदारी खोले। जब तक इस नयी दुकानदारी की जो फाईल है आप उसको साईड में रखे और जनता की मांगों पर ध्यान दे और डीएमएफटी, रोजगार, सीएसआर फण्ड पानी की समस्या और जनता की जो मुख्य समस्या डस्ट उड़ रही है और चिकित्सा के बारे में ध्यान दे। और समस्या के लिए समय ले और उनका निराकरण करें और फिर ये नयी दुकानदारी खोले। धन्यवाद।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

और कोई कुछ कहना चाहेंगे।

श्रीमती रूचिता कुवर, गुपड़ा गांवः–

जैसे कि अभी किसी ने पहले कहा कि सिक्के के 2 पहलू होते है। सभी एक ही पहलू की बात कररहे थे मैं जो दूसरा पहलू है उसकी बात करना चाहती हूँ।सीएसआर जो डिपार्टमेन्ट है वो काफी अच्छी एक्टीविटीज भी कर रखा है शिक्षा के विभाग मे। शिक्षा के विभाग में उन्होने यह कि जैसे कि सरकारी जो स्कूल हैंउसमें एनएमएमएस की जो स्कोलरशिप होतीहै उसमें भी उन्होंने बहुत अच्छा शिक्षक कोचिंग स्टार्ट कराई है। नवोदय विद्यालयके लिए भी शिक्षक उपलब्ध करवाए है। कोचिंग जो है चालू करवाई है। अभी रीसेन्टली अभी जो कोचिंग हुई थी अभी जो 19 नवम्बर को एनएमएमएस का एक्जाम हुआ उसमे 5 बच्चे सलेक्ट हुए जो कट ऑफ होती है उसके उपर 5 बच्चों के नम्बर आया। 11 में से 5 बच्चे सलेक्ट हुए। यह छोटी बात नहीं है। एक सरकारी स्कूल के लिए। तो इसमें जो शिक्षा का स्तर है वो काफी अच्छा हो रहा है। और उसमें काफी फर्क भी पड़ रहा है। अभी अगर जाकर उन बच्चों को पूछेंगे तो वो खुद भी यही कहेंगे कि वो बनावटी बातनही है जो है मैने जो देखा हैमैं वही बतारही हूँ। मैं खुद स्कूल में जाकर बच्चों को बताया सब। उनकी जितनी भी जो भी फेसिलिटी है पेन, पेंसिल, किताबें जितनी भी चीजे है टाईम टाईम पर जो भी, उनसे रिलेटेड जो भी स्टॉफ है वो भी आकर उनका मूल्यांकन करता है। ओएमआर

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

जो भी है। हर चीज सिस्टेमेटिक है और हम कह सकते है कि शिक्षा के क्षेत्र में इन्होंने एक सिस्टेमेटिक तरीके से काम करा अच्छा काम करा । धन्यवाद।

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

अभी सिस्टर ने जो बताया है हो सकता है कि 2–5 बच्चे को फायदा मिला अच्छी बात है और सीएसआर एक्टीवीटी कर रहा है यह भी मैं मानता हूँ कि अच्छी बात है। लेकिन यहां पर सीएसआर से सम्बन्धित सिस्टर ने जो बात बोला है ठीक बात हो सकती है शिवजी जो सीएसआर डिपार्टमेंट सम्भालते है उससे पूछो कि छात्रवृति जो दी जातीहै ना उसके लिए आज से 2 साल 3 साल पहले सबसे हाईएस्ट जो फॉर्म भरे गए वह मेरी पंचायत से भरे गए थे। मैंने एक एक बच्चे को जाकर के आगाह किया था कि, बच्चों अगर 50 परसेन्ट प्लस आएंगे तो आपको आठवी क्लास में यह स्कॉलरशिप मिलेगी, 10वीं में यह मिलेगी। 12 वीं में यह मिलेगी। कॉलेज में यह मिलेगी। मैंने बच्चों के खाते तक खुलवाए साथ में जाकर के परेशान किया। उनके पैसे लगे, दौड़े–धामें सब कुछ किया। किसी का खाता नहीं खुल रहा था यह कागज लाओ वो कागज लाओ। मैंने इनसे यह पूछा था कि हमारे सिर्फ मजावड़ा पंचायत के अन्दर आप डाटा दे दीजिए कि उसमें कितने बच्चों को स्कोलरशिप मिली ओर कितनों को नहीं मिली। और नहीं मिली तो किस कारण से नहीं मिली ताकि हम उन बच्चों को आगाह कर सके। प्रोत्साहित कर सके। उनको प्रमोट करें ताकि वो अगली बार ले सके। लेकिन आज दिन तक उन्होंने कोई आकड़ा नहीं दिया। क्यू नहीं दिया बताईए आप मुझे। जब काम कर रहे है अच्छी बात है। लेकिन काम को पारदर्शिता के साथ करिए यह मुझे चाहिए। मतलब ठीक है मिल रहा है कोई बात नहीं आप 100 में से 10 परसेन्ट जो प्रोफिट मिल रहा कोई बात नहीं जिसको मिल रहा है वो तो बोलेगा। सिस्टर बोल रही है अच्छी बात है । मैं ऐसे नकार नहीं रहा हूँ लेकिन कितना परसेन्ट । परसेन्ट कितना। सर मैंने रोजगार की बात हो रही है मैंने इनसे कितनी बार बोला कि हमारे यहां पर ड्राईवर के लिए क्या चाहिए, सर लाईसेन्स चाहिए, उसको गाड़ी चलाना आना चाहिए। अगर उसके पास गाड़ी चलाने हेवी गाड़ी चलाने का अनुभव नहीं है तो उसकी ट्रेनिंग होती है। सर रोजगार तो दे दिजीए। सर डाईवर के लिए भी बाहर के लोग आ रहे है। दूसरे क्षेत्र के नेताओं की सिफारिश से नौकरी ले ली जाती है। तो मैं यह कह रहा है कि सर कम्पनी कार्पोरेट सेक्टर आना चाहिए जरूरी है देश के निर्माण के अन्दर बहुत बड़ी भूमिका होती सीमेन्ट की। हमें आपत्ति नहीं है लेकिन हमारे क्षेत्र की जनता के रोजगार, शिक्षा, चिकित्सा, रोड़, इलेक्ट्रिसीटी इनकी आप सुनिश्चितता व्यवस्था आप करवाईए पानी वगैरह इन मुद्दों पर आप जाइए और इसकी इनसे आप लिखित में आप इनसे लीजिए कि आप इन पर कैसे काम कर रहे। कितना परसेन्ट कर चुके है और कितना करोगे । यह तय कराईए आप तो।

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

अभी तक जो बाते हो चुकी है। इसके अलावा और कोई बात हो तो बतावे। इनके अलावा कोई ओर मुद्दा हो।

श्री दौलतसिंह राठौड़, ग्रामवासी :–

आज री तारीख में मेन हरियाव रो मुद्दो हे– हरियाव रो मुद्दों है। हरियाव में लीज वेई री वन्डो कई करनो।

श्रीमती गौमती सेन निवासी डांगियों की टूसः–

सर, सीएसआर की तरफ में हमारे टूस डांगियान में काफी कुछ काम हुआ है । अब यहां यह मुद्दा चल रहा है कि रोजगार से संबंधितजनता का ।

श्री अमरसिंह, ग्रामवासी :–

मैं आपसे यह निवेदन करना चाह रहा हूँ कि मेरी खातेदारी जमीन पर लीज लगी है। मैं कल जाकर उसमें कोई उद्योग लगाना चाहूंगा तो मेरे को एनओसी मिलेगी क्या। मेरे को स्वीकृति मिलेगी या नहीं मिलेगी। मेरी खातेदारी जमीन है। अभी वो सीमेंट फेक्टरी के पास नहीं है। मेरे गांव में पहले से आलरेडी माईनिंग चल रही है। श्रीमान् से मैं यह निवेदन करना चाह रहा हूँ कि तीन–चार हीयरिंग में मैं आया हूँ। मैरे गांव में आलरेडी फेल्सपार की माईन्से चल रही है। उसमें मैंने उसके लिए बोला साहब जो एरिया तय कर रखा है । आपने कहा हम इसकी सीमांकन करवाएंगे। कितनी जगह सीमांकन करवाए उसमें खड्डे कर देते है । मेरी दो भेंसे मरी है, उसका कौन जिम्मेदार है। उसके लिए मुझे कोई मुआवजा दिया गया क्या। मैं थाने में जाऊ आपकी सेटिंग है जो मेरे जूते बरसाए जाएंगे। हम माईनिंग डिपार्टमेंट में गए। हमारे को अधिकारी सामने क्या बोला बिचारे माईन्स वाले आए हम इनकी बात सुनेंगे। तुम्हारी नहीं सुनेंगे। इसका बच्चा फेंसिंग नहीं की हुई थी इसकी वजह से मर गया। इसके लिए क्या व्यस्था की है। सर इसका बच्चा पानी में डूब के मरा 6 महीने पहले की बात है यह। मेरी दो भेंसे मरी है उसकी कौनसी फेंसिंग की गयी। इसका लडका मरा इसके लिए आपने क्या सुविधा की गयी। सिर्फ एनओसी के लिए ही नहीं। श्रीमान् से यह निवेदन करना चाहता हूँ कि मेरी खातेदारी जमीन पर लीज लग गयी है मेरे को उसकी एनओसी मिलेगी या नहीं । अगर लीज पास हो जाएगी तो क्या होगा मेरी उस जमीन का । हमारी आबादी जमीन पर बसे हुए है बरसों से मन्देरिया गांव में उसके लिए पट्टों का क्या होगा। कोई क्षेत्रफल बचा हुआ था 5 बीघे उसका भी आपने लीज लगा दी। पहले हमारी ग्रामसभा हुई थी। जन सुनवाई प्रशासन गांव के संग उसमें हमने एप्लीकेशन दी थी ठीक है वह पूरी फाईल ही गायब है। औपचारिकात पूरी करने

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

के लिए सर अगर वास्तव में आप हमारे यहां पधारते है तो हमारी है । इन बातों पर ध्यान दिया जाए। हमारे को नयी लीज की जरूरत नहीं है। हम पहले से करोड पति बन चुके है।

श्री रामलाल मेघवाल, गुपडी पंचायतः—

मेरा बच्चा पाण्डुमाता खाड़ी में पड़ गया है। 5—27—2024 को अभी तक सर कोई हुणवाई में नहीं आई। अभी तक कुछ नहीं हुआ। मै गरीब आदमी हॅू सर। यह मैं आपसे निवेदन करूं

श्री दीपेन्द्र सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन), उदयपुर :—

आप ऐसा करना आपके जो भी पेपर है मेरे से अलग से आकर मिलना तो फिर में इसको दिखवाता हॅू मामले को किस माईन्स में हुआ। माईनिंग वालो को बुला लुंगा मैं।

श्री गोपालसिंह राणावत निवासी ग्राम पंचायत गुपड़ीः—

हमारा सब का निवेदन है कि जो आप को जमीन 94 हेक्टर पर कर रहे है उसमे कुछ 15 हेक्टर हमारी निजी जमीन है उस पे हो रहा है उसका कुछ हो रहा है यह लीज पर लग जाएगी फिर हम लोग कुछ उद्योग लगाना चाहते है क्या हमारे को वो एनओसी मिलेगी क्या । इनकी पहले हमारी परसनल जमीन पर भी इनकी एनओसी होगी हम कुछ कर थोडी पाएंगे क्या तो हमारी जो परसनल जमीन है उसको छोड़ी जाए। हम भी हमारे कुछ काम करें हमारी जमीन है।

श्री दीपेन्द्र सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन), उदयपुर :—

आप कह रहे हो जो बात इसमें नोट डाउन करके भेजेंगे कि लोग नहीं चाहते है कि उनकी निजी जमीन पर लीज लगाना।

ग्रामवासी जनताः—

जिनकी निजी खातेदारी जमीन है उस पर लीज नहीं लगायी जावे। गवर्नमेंट लेण्ड आ रही है तो उसमें कोई आपत्ति नही। जो बिचारे छोटे—छोटे लघु कृषक है वो बिचारे कहा जाएंगे।

श्री रघुवीर सिंह, ग्रामवासी :—

आज आप पधारे हुए है। हरियाव में जो माईन्स चल रही है उसका सीमांकन है उसका सीमांकन भी कराया जावे और अभी जी एम साहब इधर पधार रहे है तो एक बार पंचायत भवन में देख लेना आप की जो सीएसआर से हुआ या डीएमएफटी फण्ड किससे करवाया आपने उसमें सीलिंग में हम आते है तो पंखे भी हम नहीं लगवा पा रहे है। ऐसे करके गए आपके कोई बन्दे।

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

श्री दीपेन्द्र सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन), उदयपुर :–

मुझे लगता है आपको जितनी भी बातें करनी थी जो भी मतलब आपको थी आपने और यह जो समस्या जैसे ये तो हो रही है इसमें कुछ ऐसी चीजे है उसके अलावा जिसमें डीएमएफटी का फण्डं नहीं मिल रहा है या सीएसआर जो आलरेडी इनकी फेक्टरी चल रही है हमारे ऐरिया में कुछ काम होना चाहिए जो इन्होंने नहीं किया है। पानी वाला आपने बताया।

श्री हितेष सुखववाल, फैक्ट्री प्रतिनिधि :–

सीएसआर परियोजना की उपलब्धियों पर दर्शावली के माध्यम से भी दिखाया था। अगर 2024–25 की कुल लाभान्वित की बात करें तो UCWL द्वारा बहुत सी परियोजना चलाई जा रही है। उसमें 15680 लाभान्वित है। विद्या के बारे में जो परियोजना चलाई जा रही है उसमें 2559 लाभान्वित है। हमारे जो गांव है। वो माईन्स क्षेत्र में दरोली, गुपड़ी, टूल डांगियान व मजावड़ा है।

श्री विशाल सिंह चुण्डावत, फैक्ट्री प्रतिनिधि–सीएसआर :–

जैसा कि हम बता रहे है गुपड़ा के अन्दर मेरे सामने सरपंच साहब बैठे है सबसे पहले तो मैं यह बताउ आप सबससे पहले पधारे कि पर्दे लेकर भाग गए पंखे लेकर भाग गए । लेकिन भागे नहीं है पर्दे भी लगे हुए है। पंखे भी लगे हुए है।

दूसरा गुपड़ा के अन्दर जो अपना स्कूल था। स्कूल के अन्दर वहां से रिक्वेस्ट आयी थी एनएमएमएस के बच्चों का 15 बच्चों को कोचिंग दी गयी है उसमें से खाली 8 बच्चों ने उसमें अटेम्प्ट किया है। एनएमएस की कोचिंग। मन्देरिया की बात करें । मन्देरिया के अन्दर नवोदय के अन्दर हमने कोचिंग दी थी। लास्ट इयर कोचिंग दिया था। एक बच्चा है डांगी नाम याद नहीं आ रहा मेरे को उसका हो गया था लेकिन सेन्टरल की लिस्ट में डांगी जो है वह जनरल कास्ट में आता है । उसके बाद जैसे कि जो लीज ऐरिया अपना आ रहा है हरियाव के अन्दर आंगनवाड़ी का हमने रिनोवेशन करवाया। मन्देरिया की रोड़ के उपर जो आंगनवाड़ी आती है उसका हमने रिनोवेशन करवाया। प्लान्टेशन की रिक्वेस्ट आई थी लेकिन उसके आस–पास बाउण्ड्री नहीं होने के कारण वो प्लान्टेशन प्रिंसिपल से बात हुई थी। उसके बाद आगे नहीं हो पायी।

श्री शरद सक्सेना, आर.ओ. साहब :–

इसमें जिस बिल्डिंग की बात कर रहे है। स्कूल बिल्डिंग की बात कर रहे है उसमें Immediate करवा लो आप। उसमें कहा दिक्कत है आपको । स्कूल बिल्डिंग के अन्दर अपने टॉयलेट वगैरह की फेसिलिटी नहीं है वो आप इम्मीडियेट करवा लो। मतलब कुछ डिसिजन आप इम्मीडीयेट लेकर खतम करें। मतलब आप उसमें डीले न करें। आपकी तरफ एक आदमी नियुक्त कर दे जो–जो ये काम बताए उनको वो सब क्योंकि अलग–अलग तो पता लगेगा नहीं ।

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

ग्रामवासी :–

सर, कलक्टर साहब से निवेदन है कि एक अपने मन्देरिया में जो रोड़ है उसके उपर से डम्पर जो वाहन चलते है उसके लिए कोई अलग से रास्ता निकल सके ताकि आने–जाने वाले जो लोग है जिससे कि कोई बड़ा हादसा न हो। उसके लिए कोई अण्डर पाथ या ओर कोई सोल्युशन कराए।

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

कलेक्टर साहब महोदय पधारे हुए हो हमारे 20 साल लगभग हो गये है जहां तक मेरी जानकारी में 20 साल होने आये है, 20 सालो के अन्तर्गत कम से कम हर साल हमने 4–4 बार फाइले दी है। एसडीएम साहब वल्लभनगर तहसीलदार महोदय पंचायत प्रस्ताव भी हमने कई बार लिखित में भी दिए, हमारा जो स्कूल है आज वो 12 वीं तक हो चुका है। लेकिन हमारा खेलग्राउण्ड नही है। उसके लिए हाई क्लास करवाई है। एडीएम महोदय साहब, तहसीलदार साहब से हमने कई बार लिखित में प्रस्ताव ले रखे है। सब कुछ है।

श्री दीपेन्द्र सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन), उदयपुर :–

जो एरिया है वो बताओ जमीन के लिए।

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

सर खेलगांव के लिए।

श्री दीपेन्द्र सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन), उदयपुर :–

हाँ।

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

आज दिन तक 20 वर्षो में कुछ भी नही हुआ।

श्री दीपेन्द्र सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन), उदयपुर :–

आप आके एक बार वो पेपर मेरे पास ले के आ जाना 2–4 दिनांक और कोई भी विवरण लेकर प्रतिनिधि इसे वो करवा देगें।

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

नही सर आयेगा कौन बताइये आप।

श्री दीपेन्द्र सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन), उदयपुर :–

आप में से कोई भी आ जाए एक जना उदयपुर आ जाना।

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

सर हम कितनी बार आएंगे।

श्री दीपेन्द्र सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन), उदयपुर :–

मेरे पास आए में करवा दूंगा।

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

सर खेलगांव के लिए।

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राप्रनिम, उदयपुर :–

पर्सनल ही मिलो।

श्री दीपेन्द्र सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन), उदयपुर :–

आ जाना।

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

सर बिल्कुल ही मिलेंगे इसके लिए में यू कह रहा हूँ सर आप के हाथो में कलम है आप कलम कर दिजिये ना एडीएम महोदय, तहसीलदार महोदय को हमने तो फाइले है हमने रखे है इतनी मोटी–मोटी फाइले दे रखी है।

श्री दीपेन्द्र सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन), उदयपुर :–

ठीक है।

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

आप इस से पुछ लिजिए लेटर डाल दीजिए इस खेलग्राउण्ड का डिसिजन लिया है।

श्री दीपेन्द्र सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन), उदयपुर :–

ठीक है उनसे बात कर लेगें।

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

ये चीजे है हम भी आ जाएंगे हमें कितनी बार हम 20 वर्षो से दौड ही रहे है, अभी तक कोई सुनवाई नही हुई है।

श्री दीपेन्द्र सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन), उदयपुर :–

जमीन चिन्हित कर रखी है।

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलेक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

श्री ओनारसिंह निवासी ग्राम पंचायत मजावड़ा :–

करेगे हम जमीन है कहा । हमारे पास यही तो प्रोब्लम आ रही है ना साहब । सर ना साहब ।

श्री दीपेन्द्र सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन), उदयपुर :–

ठीक है। जनसुनवाई में सभी पधारे हुए गांव के जो ग्रामीण है, जन प्रतिनिधि है। आपने जो भी यहां पर बातें की है उसमें मैं आपको बता दूं कि जन सुनवाई जो हुई वह यथावत आपने बोला है वह शब्द–से–शब्द जाएगा। उसमें कोई किसी तरह का एडिटिंग नहीं होगा। दूसरा कुछ चीजें आपने इस जनसुनवाई में जो प्रपोज्ड है उसके अलावा बात कही है डीएमएफटी के लिए कहा है या एक–दो व्यक्तियों की व्यक्तिगत समस्या बताईए है। उसके बारे में भी हम टेक अप करेंगे, खेल मेदान की भी बात टेक अप करेंगे। जो व्यक्ति की डेथ हुई है उसके बारे में क्या कर सकते है मुआवजे के लिए वो बात करेंगे और आशा करेंगे कि सीएसआर में इस कम्पनी से अपने जो काम करना है उसको भी टेकअप करेंगे। इसको भी कोशिश करेंगे कराने की । भविष्य में भी करवाएंगे एवं वर्तमान में तात्कालिक समस्या जो आपने पानी की बताई है गर्मी आने वाली है उसके लिए भी अपन लोग प्रयास करेंगे कि इसका होगा। लेकिन मेरा आपसे आग्रह यह है कि थोड़ा फोलो अप भी आप करना। फोलो अप करना पड़ता थोड़ा। कई बार अधिकारी है हम लोग। आज यहां आए कल किसी ओर गांव में जाएंगे तो बहुत सारी व्यवस्थाए रहती है। तो प्राथमिकताए रोज बदलती है हमारे लिए। कई बार क्या होता है ना कि थोड़ा सा अगर कोई जन प्रतिनिधि या कोई परसनी फोलो अप करता है 2–5–7 दिन में कि साहब क्या हुआ साहब हमारे काम का तो हमारे लिए आसान होता चीजों को धरातल पर उतारना। वैसे मेरी कोशिश रहेगी कि आपकी समस्या का जितना भी प्रयास होगा उसको आपकी समस्या का हल करेंगे। बाकी बहुत बहुत धन्यवाद आप लोगों ने बहुत अच्छे से यहां जनसुनवाई करी हे। आपका गांव अच्छा लगा मेरे को देखने में । मैं तो पहली बार आया इस ऐरिया में और लोग भी अच्छे है। आपका सहयोग भी मिले और कम्पनी से कोई भी समस्या हो तो प्रशासन को आप जरूर अवगत करवाए। इसको हम मिल–बैठ कर सोल्युशन कर सके और आपके क्षेत्र का जो भी विकास होना है समय पर कर सके। अन्त में उदयपुर सीमेंट वालो से कहूंगा और आपसे निवेदन करूंगा कि वो बोले पूरा उसके बीच में नहीं बोले । सुनो उसको कि क्या कहना चाहते है। ठीक है।

श्री दीपक शर्मा (प्लान्ट हेड) :–

आज आप सब की समस्याए सुनी है। और आप सभी भी जानकारी में आपके जो जनप्रतिनिधि है। उन सबसे मुलाकात करके इस पर एक्शन पलान बनाएंगे। और सर्वे भी करेंगे और इस पर जो भी उचित कार्यवाही होगी वह करेंगे।

(दीपेन्द्र सिंह राठौर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
प्रशासन उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)

श्री हितेष सुखवाल, महाप्रबंधक (पर्यावरण), उदयपुर सीमेन्ट वर्क्स लि. उदयपुर :–

आज की जनसुनवाई में और जो दिशा–निर्देश एडीशनल कलक्टर साहब ने दिये , आरओ साहब ने दिये वो सब सूचीबद्ध किए गए है। और जैसा सर ने बताया कि उसका जो भी मिनिट्स बनेंगे वो पूरी कार्य प्रणाली और जहां जहां आप लोगों ने बोला कि जन प्रतिनिधि से मिलना है। उनके साथ मिल के आगे की प्लानिंग की जाये तो वो भी की जाएगी और आपके लोगों के सहयोग से आपकी सहभागिता के साथ ही हम यह सारा कार्य करेंगे और माईन्स को जो है और जो जन सुनवाई हुई है उसका एक्शन प्लान विद जो भी उनकी गाइड लाईन है। पर्यावरण मंत्रालय की ओर जो सर ने बताया उसके अनुसार हम कार्य को पूरा करेंगे और कार्य प्रणाली आके साथ साझा करेंगे। धन्यवाद

श्री शरद सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, उदयपुर ने उपस्थित जनसमुदाय को बताया कि आपके द्वारा दिये गये सुझावों एवं आक्षेपो को जनसुनवाई के कार्यवृत में शामिल किया जावेगा तथा कार्यवाही विवरण की वीडियो, रिकॉर्डिंग सी.डी (**परिशिष्ठ "स"** में सलंग्न) एवं फोटोग्राफ (**परिशिष्ठ "द"** में सलंग्न) के साथ उन्हें राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, जयपुर के समक्ष प्रेषित किया जावेगा। इसके बाद क्षेत्रीय अधिकारी महोदय ने श्रीमान अतिरिक्त जिला कलेक्टर,सलूम्बर को इस जनसुनवाई को समाप्त करने हेतु निवेदन किया तत्पश्चात जनसुनवाई समाप्ति की घोषणा की गई।

(दीपेन्द्र सिंह)
अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन),
जिला–उदयपुर

(शरद सक्सेना)
क्षेत्रीय अधिकारी,
रा.प्र.नि.म., उदयपुर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
उदयपुर (राज.)